MSS No. 436 Subject Kavya

Name of MSS Yukti

Author Kulpati

Period Folios 116

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri, Alwar, Rajasthan

Missing Folios

(10)

युक्तितरंगिणी

436

436

शास्त्रीरामजी

पारीपूरन

सुक्ति तरंगनी (शीर्षक अप्राप्त)
५८ पत्रक ॥ ल० भ० १५ पं० प्र० पृ०

ह० ल०

1

॥श्रीगणेशायनमः॥श्रीराधाकृष्णो
जयति॥दोहा॥गोरीराधासुमिरियै
जाकैंमोंहनमित्त॥कियोरागरं॥गि
रमांमकोबीरवक्षरंगचित्त॥१॥प्रियाअं
कधरिवंकमुरवव्यालमालशशिभा
ल॥विघनहरौअनुरागवपुशिवगौरी
कोलाल॥२॥चरथावरजगुरच्यौजिन
निजगुनतीनिमिलाइ॥जोचाहतुवा
नीसरसपरसिभवांनीपाइ॥३॥चित
चाहेपदअरथरसरचनादेतिवनाइ॥
चाहतचारुकवित्ततौसुमिरिसरसु
तीपाइ॥४॥ब्रह्माविष्णुमहेशकौंक
रतिहरतिइगकोर॥कवितसृष्टिचा
हतुरच्यौचितुदेसरसुतिओर॥५॥तैं
भुलएसुरअसुरनरवसकीनेंवाणी
म॥होतुईसुसवजगतकौंनैकुनरा

युक्ति· 2 ॥२॥

वनुसीस॥६॥श्रीजिनचितवतिईसुमो
विसुखसुविपत्तिकेत॥संखसहोदर
कवलधरहरिगणनतुविहेत॥७॥रा
निरसौवसिहियैमेंपदमनिकोअनु
राग॥उहिहेतपरभातरविप्राचिदिदे
तसुहाग॥८॥रैनिवसेककुअनतही
व्याकुलप्राचीबाल॥भोरभानुआग
मनुलषिकियौरामसुकुलाल॥९॥
रविमूरतिअनुरागकीकैफतजतिल
षिवाल॥आवतप्राचीकेमदनपदम
निहोतिषुस्याल॥१०॥रोगहरणकौं
फिरतजगधरमकरसकीसाषि॥विष्ण
नुकीकलिकालमैंसूरजसूरजराषि
॥११॥विश्वनाथसंगीतपतिरसनाइक
सुरूप॥गवरिधरेअरधंगमिसिवृ
सवहुमंगलरूप॥१२॥नैनज्वालजरि ॥२॥

भौ शिवअंग

मैंनुभौंतुलगैपों॥ द्वैरेदेषत मैंाहनीगै 3
रिधैंअरधंग॥३॥ कामुजरायैावासु
नैंजागनभोगविनाद॥ पलकुदैातिन
रतिविरतिहियनैंगोरीगाद॥४॥पट्टु
कावांधैाअैगिसिरमोरचंडकाभाल
कोटिकांमकीछविहरतिगुंजमालनं
दलाल॥५॥प्रवलअसुरलीनैंाअम
नवनैनकछूसयान॥रूपमोहनीहरि
कियैाधरिराधाकोध्यान॥६॥प्रीतिरीति
रघुनाथहीकरिजानीजगमाद॥सीता
वसकैंकविताकियैाजाचाहनुदेचित
नैासवैकिनिआदिकविवालमीकमु
निनित॥७॥जिनअगटेजगवेदमगा
सुमिरकुकविवरव्यास॥वांणीकुर
समयभईकरिजिहिरमनावास॥८

नपीनहि सीताहूंछांहू ७ रसमयकै५
की

५
सुक्ति ॥२॥

रागमगनिनिहचिंतकैंआशुवजाव
तिवीन॥भारुकवित्तकौभारतीभा
रविकैसिरदीन॥२०॥पुरुषरूपवि
नहोइ॥नहिंकाविनकामुनिरधार
कालिदासकैंकालिकौंकियकवि
ताविस्तार॥२१॥अविलखैंनीवदन
मैंमैंलईभारतीभूति॥प्रगटलख्यौंन
रूपयहभवविभूतिभवभूति॥२
२॥पदरचनाजाकीसुनतगीफिनर
हीसंभार॥वकस्योपंडितरायकौं
वि[illegible]मरस्तुतिनिजभं
डार॥२३॥जिनधुनिरूपीब्रह्मकोकी
नौनियमश्रनूप॥स्तुमिरकुभाषा
प्रथमकविपिंगलमंगलरूप॥२४॥
सवदश्ररथरसभूषनौउपमाभू ॥२॥

तअभूत॥कवितामँगलषनकौंसू 5
रदासगुरभूत॥२५॥नवरसमयमूर
तिसदाजिनवरनैंनंदलाल॥आ
लमआलमुवसिकियोदेनिजुका
विताजाल॥२६॥मतिकीगतिविरम
तिनककुंजोवरनैसबअंग॥उज्जल
कविताजगगकीजैसीगंगतरंग॥२७॥
वरनावलिमुषतेंचलतिगगनसुर
सरीसोत॥जसुवरनतपरसिद्धकैंछी
रउदधिजगुहोत॥२८॥जोभाषाजा
नौंचहैरसमयसरलसुभाइ॥क
विताकेसोगाइकीतासीषोचितला
इ॥२९॥भांतिभांतिरसनांसरसदे
वगिराज्योंव्योम॥त्योंभाषासबक
विनमैंविमलविहारीदास॥३०॥

6

युक्ति॰ ॥३॥

नसबकोंसिरनाइकैकुलपतिमतिअ
नुसार॥हरिराधाकेगुनकहेरचिदो।
हाविस्तार॥३१॥कुलपतिगुनतितरं।
गिनीरचीमिलैसबसाज॥नवरसभू
षनभावसबसोधिलेहुकविराज॥
३२॥संहृदयकरिदेंभावनातबक
हियैगुनदोष॥पापकुटिलताहोतहै
सहृदयनासोंमोषु॥३३॥इहांप्रथम
बरननुकियैराधाहरिकोध्यानु॥बहु
रिनाइकाभेदफिरिनुबरननपहिचा
नु॥३४॥सूरगामनसंध्याउदयससि
कोंबरनिसमीर॥बनबिहारअनुराग
फिरिकहिबियोगकीपीर॥३५॥हास
आदिदेरसबहुरिबरनतिजातिसुभा
व॥याहीक्रमसोंजांनिफिरिअन्याक ॥३॥

7

निघरस्ताव॥३६॥इति अनुक्रमणिका॥
अथैराधाजीकोनषसिषवर्णनं॥रुक
मिनिश्री अवतारुहैराधामायाजानि।
जावसकै नितवसतहरि वृंदावनमें आ
नि॥३७॥जावकमहेंदीमहजरंगऔ
रतियनुद्रगराग॥मिलिपगहैराधा।
चरननलहहरिमनुअनुराग॥३८॥कौं
हरुपल्लवकमलदलविंववद्धकनु।
मांह॥लालीलषियतिराधिकाचर
णतलनुकीछांह॥३९॥राधादेहहरि।
कीसकतिजगकारणयहजांनि॥न
हिलालीविधिपगलग्योनिजगुनरह
पहिछांनि॥४०॥राधाजूकेपगकम।
लदेषिभारकोर्नुरीफि॥दूकढेन भा
षनुमिसपाइनुपरयोमनुजांनु॥४१॥

४

युक्ति॥ मंगलमूरतिकैधौंनहरिहैंहियराधिका
॥४॥ हियपाइ॥दसमंगलपगनषनुमिसरहैं
जहांसतिभाइ॥४२॥राधाजूकेचरणकी
छविनलहैंजलिजात॥याहीदुषनिमि
स्वमरमिसकालकूटनितषात॥४३॥जा
वकलीकनहोइषगकियोरागकोको
ट॥करनुमैंनुगटवैनहींछविगोलनुकी
चोट॥४४॥मिसस्यामघनकोजहांरुकैपा
रहेचितचाइ॥मदनसदनकेकुलफए
गुलफविराजतपाइ॥४५॥रतिसवतिरा
धाचर[illegible]गुनपढिवेकैंहेत॥नाहीकेए
गुलफमिसकरणफलछविदेत॥४६॥
राधाजूकीपिंडुरीमोहतिस्त्रभिरांम॥ अति
जगवसिकरवेकौंलियोकनकदंडम
नौंकांम॥४७॥चकचौंधतचषचमकल ॥४॥

षिविद्रुमफीकीजोति॥राधाजानुगुलाब
कीनखलासीछविहोति॥४८॥रतिरंभा
उरवसीकोदूरिकियोजिनदंभ॥कंचन
कदली[illegible]रूपाहजंघसुरतरणंष
भ॥४९॥व्रजनागरिकेजंघवलषिकोम
लसुघटसुमाज॥सुंडिकुंडलीकरि
करीवदनुकुरावतिलाज॥५०॥कनक
कलसरतिमदनकेकिधौंकुंभगजरा
ज॥इसुरगिरकेसिषरकैतियनितंबइ
हिंसाज॥५१॥छुद्रघंटिकामणिकिरणि
तनछविमिलिसरसोंहि॥नवरविबिं
वनितंबतुवनीलंबरदरमांहि॥५२॥
कासानीमुषमलमढीकंचनकूरमा
पीठि॥रतिमंदिरकोचौकुहैमैंनभाल
कोईठि॥५३॥सद्मनयनंदेषिनसकै

सुक 10
॥५॥

लषिपैज्ञानसमृद्धि॥सुजांअंतरध्यां
नकीकटिकिधौंअणिमासिद्धि॥५४
कुचनितंबमैंलसतिहैकटिसवसुष
कोसारु॥ऊपरनीचेकमलमनौंवि
चसुनालकौनारु॥५५॥प्रेमनदीकौ
भौंरकिधौंअमृतकूपगंभीर॥नाभि
नागरीकीलषतद्रगतिअंननकीपीर
॥५६॥देषनकौंकछुवैनहींवरननवेद
पुरान।जानतराधाकौउदरुजगका
गनउनमान॥५७॥नैनज्वालहरमैंनज
रिपरयौनाभिसरआइ॥वुझतहूंमरे
षाउठीरोमावलिदरसाइ॥५८॥राधा
कौउरआरसीस्यामरूपताभांहि।रा
मावलिनहिंहोययहपरीउदरपर
छांह॥५९॥कमलाकेउरचरणदीदि ॥५॥

येवकृतमनुहारि॥तनमनधरैराधिका न
उरमैंबसेमुरारि॥८०॥तीनलोकजाके
उदरमातेरेउरमांहि॥मानारणकीमुर
तिकैंपाराधेराषतिनांहि॥८१॥काकका।
का पातनुगिनैंनारिंगइतीनचाज॥कनक
कलसअनुरागभरिहैंराधिकाउरोज
॥८२॥कुचनअनूपमकमलकीकली
लीषेनिरधार॥जहांस्यामताभिसभ
वरुसेवतरससिंगार॥८३॥राधातुवउर
आइकेथ्रीवकूभएसनाथ॥नैंननुदेष
तपुकरत[illegible]सीसधरैयोहरिहाथ॥८४
निहचेजांनीवांमेकौंउद्दीपनुहेवासु॥
सुमिरतहीकुचसंकैंसुधिआवतिा सु
ज्यौंकासु॥८५॥वासुवसकियकौंमनै
वामनैंनगहुपाइ॥सरणनाकिउरमैं

युक्ति० वसेसंसुकुचनुकेभाइ॥६६॥व्यालमृन

॥६॥ लनछ्बिलहतराधासुजकीछांह॥मैं

नबजाइकीविधिरचीमेलासीतुव

चांह॥६७॥सोवतचारहसुवननतलजा

करतलकीछांह॥मोमोवनुनितसीसु

देराधातेरीवांह॥६८॥कमलकोंनवि

स धिरलहैंराधाकरकीआइ॥जाकेचा न

क्रसुहागतेंकाक्रपलोटपाइ॥६९॥ न

पल्लवलवफूनोलहैंराधाकरतलजो

ति॥चौकीपुहपपरागकीरागरंगीछबि

होति॥७०॥सहजरंगमहेंदीदियेंहोति

अनूपमकांति॥भानुहथेलीभानुका

किरणिअंगुलीपांति॥७१॥राधाकेक

रनषनिकीलालीलसतिअमंद॥सो

सडीविकुसुदिनिचिनेरंगिगापेषमनौं ॥६॥

चंद॥७२॥छबिसौंउरवेधतिवदहसिसु।
सिरतकरतनिदांन॥भालचमकनष
अंगुलीदुगुनकांमकेबांन॥७३॥संष
सोक्रुनिस्तुदिनकरतमरातमसूसनि
सोर॥राधेतेरीश्रीबलषिहातस्यामड
गमोर॥७४॥करराषतचुंवतचहतहरि
सिरजलकीधार॥नुवग्रीवांछविलवि
लषतिकरतसंषसौंप्यारु॥७५॥नुववं
चननुकीचातुरीराधेसुनीबिसेष॥प
ढिवकौसुरगुरुमनौंवस्योचिवुकके
भेष॥७६॥लीलाकीछविदेषिकैसिरु
नावतिसुरवांम॥चिवुकगाढमैंगदिर
ह्योस्यामरूपमनुस्यांम॥७७॥विद्रुम
विववंधूककअरुवीरवधुनकीपांति॥
लालीराधाअधरकीलखफूलहैंनकां

14

युक्ति ॥७॥

कांति॥७८॥ऊषपियूषमयूषकूंभूष
नभांजेवांस्वादुमिगईकौवहैवामा षि
त्र्प्रधरसुषराषि॥७९॥सोरठा॥चंदचूरि
कियदंतअमृतनीचुरिआयोधर॥जी
वतिरतिकौकंततुरतरूपजिनकौलषा
त॥८०॥दोहा॥दाडिमबीजकहैंमैंदे न
सुनिसुनिआवततुषीझि॥राधासुकुंमा
निकमयोविधिवचनुमैंरीझि॥८१॥
महैंसचंदकीजुक्रैयाहासममांनन
जोति॥प्रगटकितिहृषभानकीमांन
कुमहिमैंहोति॥८२॥राधाकेरदसननु
लषैंदाडिमपीकीजोति॥कांसरूर
जिकिरणाज्यांरदनचमकछबिहो
ति॥८३॥चंपकजाइगुलाबजलमृग
मदअरुघनसार॥स्वाससवासमपूजे ॥७॥

नहीराधाकेनिरधार॥७४॥राधानासा
स्वासहैदेवकुसुमकीवास॥स्यामस
कलसुरईसजिहिंहेमधुपहैंकेपास
॥७५॥चंपकलीअरुतिलकुसुमना
हिनासासमहोतु॥सुकताश्रानिबं
धेजहांलहिसुवरनुपुनसोतु॥७६॥
नासानथसुकताबधेयासैकहाअ
नूप॥सुकतिहोतिजिहिंनांमतैंसोवां
छ्यौजिहिंरूप॥७७॥नाकराधिकाकी
लख्योसबनाकुनकीनांकु॥नाकई
सकैकोईसुजिहिंछबिबसभयोनिसँक
॥७८॥सहजसचिक्कनछबिभरेगोरेगो ल
कपोल॥तरिवनमिसछबिलषनकौं
रविहूरह्योअडोल॥७९॥कारीसट
कारीअलकछबिकपोललपटाति

16

युक्ति ॥७॥

सैं बतिगतिरमश्रमितश्रनुश्रंमृतता
किरनिहिगराति॥६०॥सुषससिहिं
गफूलेरहैंकमलकपोलश्रनूप॥त
ज्योविरोधुसुभाइकोदोउनुरीफरू
प॥६१॥सोहतिश्रलककपोलपरिव
रनिसकेबोरविकोइ॥परयोस्यामप्रति
बिंबमनोंचुवतयहछविहोइ॥६२॥
राधाजूकेलसतहैंकानरागकेगर्त॥
पूरतस्याममनोरथनिमेषहिदहिना
वर्त॥६३॥रतनिजटिततरिवनतहाँहि
गहिगमुकतापांति॥रविमांनोंमंडल
कियौंससिषंडनुकीकांति॥६४॥नैन
नलिनसुवराधिकारविससिलोचन
स्याम॥दहिनतैंफूलेरहैंमूदतदेषि
दृगवाम॥६५॥तुवदृगछविकोलेसु ॥७॥

लैदोउभएसनाथ॥ षंजनऊरधगति
लहीपंकजकेंलाहाथ॥९६॥ मृगम म
नुडारैंबनफिरैंपंकजपरसतपाइ॥ रा
धाइगकीछबिलषैंमीनडुरेजलजाइ
९७॥ राधाइगउपमालहैंदोउनुबछो
कुलास॥ मृगपायोप्रभुअमृतकरि
मीनविष्णुपदवास॥९८॥ कुमुदकम
लफूलनसकलहरिनैंननुकोंदेषि॥
नुबइगदेषहरिनयनफूलतयेहैवि
सेषि॥९९॥ ससिकेनहिंपीयूषकर॥
सुधासुगधानैंन॥ बाकीकिरनिनु
कोजियोजियनुकटाछनुमैंन॥१००॥
वामवामसबजगतकेभयेमनोज
जराइ॥ छीनिलियोतियवामपदु
चितवनितांहिजिवाइ॥१०१॥ नैंनसरद

18

युक्ति ॥ १८ ॥

नतोरसुतनुजीवभूतरी जांनि ॥ सरव
सुलैराधानयनवसेस्यांमजुक्षांनि
१०२ ॥ राधानैंनविसालत्तावरनिसकै
कविकाम नारेमिसदैरत्तिजदैजा
गव्यापकछविस्यांम ॥ १०३ ॥ लालला
लडोरेड्रगनुलषियतहैंयहिभाइ ॥
सुरतसमरकौंवीररसवस्योवामड्
गआइ ॥ ४ ॥ नैंननुकेकोयेलषैंकोक
नंदद्युतिकौंन ॥ फूलतिशिवफूहिस
माधिज्ञरु ॥ मुनिमनरहैंनमौंन ५
वरुणिराधिकाकी। लसतिस्छमती
छनस्यांम ॥ नावकवांनलियेमनौं रं
गिसिंगाररसकांम ॥ ६ ॥ डगन्क्षेंचल
चंचलनषतराधाकेधनस्यांम ॥ कुकु
दिमप्रवनप्रचंडमनुफिरतफरहरी ॥ १८ ॥

कांम ॥ ७ ॥ रीझिवदनछविविविधिलषी
रससिंगारकेलेष ॥ वंदनीयसबजगत
कीभौंहध्रणवकीरेष ॥ ८ ॥ नहिंकमां
ननहिंअलिअवलिउपमाऔरनजी
क ॥ भौंहभालदृगविधिलषीछविसीं
वांकीलीक ॥ ९ ॥ चिबुकतिमिरकीभी
रलषिक्रोधउदितभयलाल ॥ स्यांमस्व
ष्टमीचंद्रहैराधाजूकोभाल ॥ १० ॥ भा
गरेषउपमानहीजैनेबिस्वावीस ॥ जा
केवलतेंवसभयोहरिसबजगकोई
स ॥ ११ ॥ सोरठा ॥ मुषछविदेषिअनूप
लगतसबनुकीडीठिलषि ॥ करीडिगें
नारूपरतावचिसिंगाररस ॥ १२ ॥ दोहा
कमलासुरसतिगोरिकोमिलितौंलि
यैंसुहाग ॥ आधेफूंपूजैंनदौहरिया ।

धाज्के केस धाज्ञनुरागा ॥३॥ कोरसट
कोरसरलसहज सुगंधसुवेसु ॥ कर
तस्यामसनुचीकीनौराधाज्के केस ॥४
कोउ कहतसिवारसेमोमनयहनिर
धार ॥ मीचस्यामसिंगाररसकचम्हना
लकेतार ॥५॥ पाटीपारीसुघरतियस्य
सुमनसुवास ॥ मरदस्यामनिसिमैंम
नौउडगनलसतअकास ॥६॥ मांगरा
धिकाकीलसतिईगुरभरीसुढार ॥ इ
तउतकालिंदीमनोवीचिमरसुतीधा
र ॥७॥ वैंनीराधाकीरचीकैसुमनगु
नलाल ॥ जगभयहरिहरविधिमनौंपा
छेरापवाल ॥८॥ वैंनीगोरीपिठिपरिज्ये
सीलसतिरमाल ॥ मांनकुंधमीसुमेर
तेंकालींदीकीधार ॥९॥ कंचनचौकी ॥१०॥

ओपिकियचिलकदामिनीदेवि॥राधा
जूकीपीतपटनीछिटिकतिहैदीवि॥२०
नषसिषआपअनूपहैकोवरनैकवि
लोइ॥मोहनजूकीमोहनीराधामाया
होइ॥२१॥ससिकीछविरविहरतुहैस
सिकसतुकीजोति॥सरणपाइराधाचर
णदोउनकोंछविहोति॥२२॥जरतारीसा
रीमदनदुतिरहीअपार॥स्यामरूपस
मजांनिकैनीलंबरसौंप्यार॥२३॥राधा
जूकोवदनयोंसोहतुनीलैंचीर॥कार
कमलफूल्योसनोंकालींदीकेनीर॥२४
नीलवसनमैंदेहदुतिछलमलातिइ
हिभांति॥ज्योंसागरजलहरिसदनमा
लकातुस्तुवरनुकोंति॥२५॥लहँगाला
ललसैदयौनीलवसनइहिंभांति॥की

22

युक्ति नैंघनमेंहोतिज्यौंभोरभांतिकीकांति
॥११॥ ॥२६॥हरितलालतोईटगनिपीरीतनो
कीजोति॥ नीलवसननतनकंचुकीइ
ड्यतनुषछविहोति॥२७॥राधाजूकोउव
टितनुसहिडाख्योसतिभाइ॥पृथ्वीगं
धवती भईउहीसुगंधहिपाइ॥२८॥ज
उसुभायपायौसहजलवौनसागर
नीर॥जलपायोरसुमधुरमिलिराधा
मज्जननीर॥२९॥हरतुजोतिद्रगकी
लषतिधूमवढ्योद्रुपदैन॥तिजश्चकाम
कतालहीबसिराधाकेनैंन॥३०॥रस
मयपरसिसुगंधतनुविरमनुछवि
ल्सविसेष॥वायुबावरौसुषपरसभयो
राधिकहिदेषि॥३१॥सुन्नरूपविनुग
गनिकेफोरतकांनसुभाइ॥भयौसु ॥११॥

हायौसवदगुनराधाकेस्तुपश्चाइ॥१
२॥लघुक्रातैंश्मतिलघुकुतौचंचलस
हजस्तुभाइ॥भयौस्तुहायैसवदगुन
राधाकेस्तुपश्चाइ३॥वड़ौभयौधीरस्तु
गहयौमनराधाउरगाइ॥१३॥रहैतीनिछ
नएकसीनैंकुनककुंवदराइ॥थिरता
पाईबुद्धिकूंराधाकेउरश्राइ॥१४॥चु
परीचारुकुलेलसौलमतिचीकनादा
ह॥राधाउरकौस्यामलषिफलवैचोम
मैसनेह॥१५॥विनुभूषनभूषितलस
तिराधारूपश्रभंग॥भूषनभूषितकर
नकैंभूषनपहिरतिश्रंग॥१६॥सरवि
छियाश्रनवटनहींवांकधनुषकौसा
जि॥जगजीतनकौंमैनतुरपाइनला
ग्यौगाजि॥१७॥वांकसहितविछिया

24

।वृत्ति
॥१२॥

नहीअनवटनहिअभिरांम॥कमा
लजीतिकौंपाइकौंदियपंजाकरिका
म॥३८॥पायजेबकीजेवकौंपाइभए
नगरूप॥वंदीजननूपुरमनोवरदाव
तपगाभूपु॥३९॥जेहरिकेतरगूजरीसो
हतिजरितजराइ॥मंगलकेमंडलम
नौवैठेसरजुआइ॥४०॥किंकिनि
मनकनितंवपरमानिकजरितसुदा
र॥सोहतिअंसमसुमेरमनुमंगलवंद
नवार॥४१॥धरिराषीलषियतिनहीकु
चनितंबमंजुस॥कटिछविनावत्तकिं
किनीहैपियकीजासुस॥४२॥हैविहा
रहरिनैनकौंकामविथापरिहार॥स
माहारसोभीतिकौंराधाजूकोहार॥
।४३॥हरितकंचुकीपरलसतुअंसैं। ॥१२॥

मुकताहार॥मांनकुसांवनभूमिपरपां 25
तिबूंदनीहार॥४४॥कंठसिरीकोंपाइकै
कंठसिरीछबिहोति॥तनद्युतिमिलि
दूनीभईचंपककलीकीजोति॥४५॥प्र
थैप्रेमकिवैठेवरारत्ननजटितछबि
लाल॥रविमंडलकोंभेदिमनोंनिक
स्योकमलसनाल॥४६॥वीचपछेली
कंकनतुस्यामचुरीइहिंभाइ॥हेमक
गरितुमधिमनोंकालिंदीदरसाइ॥४
७॥राधाकरमेंलसतियोंपकुचीजरित
जराइ॥मनकुंकमलटिंगप्पारुक
रिस्तरजुवेग्रोन्याइ॥४८॥अतिउदा
रकरराधिकाछबिभिच्छुककेभाग
सुंदरीनगमिसनवोंअदसेवतजग
अनुराग॥४९॥तासमतीयनऔर

श्री

26

सुक ॥१३॥

कंकुसदाकदतव्रजराज॥अंगुरीरा
षतिआरसीसांचुजांनिवेकाज॥[illegible]
॥५०॥राधामुषउपमालहीदेनैधाइ व
काज॥सीसफूलमिसरविमनौंआ
योग्रहनिसिराज॥५१॥नासावेसरि
मोरकीलषिहरिअतिअभिराम॥मा
रपदसिरपरधरतुउहिनातेघनस्यां
म॥५२॥सुकतासागुरतपुकियौतजे
सवेअभिलाषराधावेसरिगुनभए
अमृतअधरकौंचाषि॥५३॥पाटीज
मुनांमांगमैंसरसुतिईगुरेरेष॥सुक
तालरमिसमसुरसरीमिलीसवुगुने
ष॥५४॥डोरीकीफवियानियौंसोहा
तिवेनीअंग॥अलिअवलीऊंचीच
लीतजिकमलनुकौसंग॥५५॥कज ॥१३॥

रारी ऋषियांसजततऊसमहजमुनि
मैंन ॥ जगद्गगाछविजीतनदियोसिद्ध
जनमनौमैंन ॥ ५६ ॥ मोहनतिमिगरफ
कीसुरकनासाराधाम्हल ॥ भौंहध
नुषसरसमज्जकियमैंनसुमहिंदीफू
ल ॥ ५७ ॥ राधाजूकेभालयोंमोहनिवैं
दीस्यांम ॥ पीपरागामनुकमलपरऋ
लिसिसुकरतन्भरांम ॥ ५८ ॥ व्रजना
गरिकोध्यानजोऋसैंन्यावैचित ॥
औरमनोरथकोपिनैंहौंहिस्यांमध
नमित ॥ ५९ ॥ रसनायकसृंगारदेर
सिकनुमनिहरिजांनि ॥ कुलपतिउ
नहींकीकहैकीडाविविधिवषानि
१० ६० ॥ जेमैंवरनीराधिका ।
मैंकहिहरिकोध्यांनु ॥ होइसुध्रुम

27

28

युक्ति नुसनुधिकरतवरणतउपजैज्ञानु॥६१॥

॥१४॥ ध्वजरेषांअंकुसकुलिसचक्रचिह्न

वकुअोर॥हरिकेचरणसरोजकेना

रदादिमुनिभौर॥६२॥पल्लवपंका

जप्रातरविविद्रुममानिकपाति॥स

वकीद्युतिफीकीलषतहरिचरननु

कीकांति॥६३॥जितीललाइजगत

मैंहांहिंनमैंहैंभाग॥रंगिराषेहरि

वरणतलराधानिजुअनुराग॥६४॥

हरिनषचंद६५॥जासैंतैंमुनिमनकुं

मुदविकास॥उडिभाजतितमअ्र

लिअवलिचितचकोरकुलदास॥६

प॥तीनिलोकसीतलकरणचरण

सरोजसुभाइ॥हरकृतापमोचित

कोहरिनषचंद्रदिषाइ॥६७॥ज ॥२४॥

29

हीं हरित हीं विरोधुनहिं वेरुकपट।
कीकीच चरणकमल फूलेरहतद
सचंदनुकेंवीच ॥ ६९ ॥ कुलपतिकी
विनतीयहै औरनचित्तकीदौर ॥
हरिजूकीजे कृपाकरिचरणकमा ल
कोभौंर ॥ ६८ ॥ गुलफगुछअलसी।
कुसमजंघामरकतषंभ ॥ नाभिकू
पहरिकौंलसतु भस्योअमृतमय
अंभ ॥ ६९ ॥ हारकरिमोहतिगगन
छबिकछनीप्रभासवार॥ कमलषु
लतगुंजतमधुपसौंकिंकिनिगन।
कार ॥ ७० ॥ स्यामउदरउपमानकौं
सागरहूजनहुनांहि ॥ गिरिवरसाग
वनगरवकुणवाकौनजामांहि ॥ ७१
मनमौंहनुकौंउदरहैदर्पनकीउ

युक्ति० ॥१५॥ उनहारि॥राधाकाप्रतिबिंबजहाँरी
ऋतुरूपासुनिहारि॥७२॥हरिभगत
नुकेलोभमनहियहहनिहचैकरिजा
नु॥भृगुप्रभुउरपगुनहिंहियौं।
कियश्रीकोअपमानु॥७३॥गुंजा।
तुलसीसुमनमिलिमौंहरिउरइ।
हिंभांति॥रविकिरणिनुकेजोग
ज्यौंपावसघनकीकांति॥७४॥म
निसोहतिउरस्यामकैंकोटिभानु
परकास॥होतिजोतिसवहीनल
षिहरिजननैंनविकास॥७५॥चा
रिपदारथचारिभुजकौंनसकैउ
नहारि।चरणअंगुलीआंनतैंल्न
हतपदारथचारि॥७६॥अंगुरीगा।
हिपकुचैगावतिप्रगटलषेंहरि ॥१५॥

अंगनगैं[गै]परीपाइनिपरसितिमुकतनाकैंठी।
गंगा॥७७॥चिबुकत्तमोगुनरजअधर।
द सत्वरेनुकीपंति॥मायामृदुमुसिका
निहारिजगुमोहततइहिभांति॥७८॥र
सनांअमृतनिवासहैंवेदनासिका
स्वास॥कमलकुसुदफूंछविलहतदृ
गिकैनैनविसालास॥७९॥जिनकैकृ
पाकटाछकौंसिवब्रह्मकैंअभिलाष।ति
नकीसमताक्यौंलहैंकमलमीनमृग
लाष॥८०॥अरुणसितासितस्यामके
लोचनतीरथपाइ॥नीवीव्रजवनितानि
कीक्यौंनमुकतिकैंजाइ॥८१॥धरजु
अरुकुललाजकूंनिरषितजतिव्रजा।
वांम॥कोटिकामकीछविहरतचमकि
चितैघनस्यांम॥८२॥वरुणीलषितरु

32

युक्ति णीसबैधरणीपतिबिसराइ॥ चली

॥१६॥ लागिमैंगनुरतहीबरुणीकौहरिप

ग्र॥७३॥ भौंहधनुषगोसौंजियोव्रजु

जुवतिनुमनुबेंचि॥ गुरजनभयकु

लकाजकूरुकतनुनराकतपैंचि॥७४॥

मकराकृतिकुंडलनुकीपरीकपोल

नुछांह॥ चारिध्वजासौंमैंनमनौंख

सतुसुरतरणमांहि॥७५॥ तिलकभा

लगोपालकेंगोरोचनअभिराम॥ की

नौंजगुजुवतीनिकौंवसीकरणमनौं

कांम॥७६॥ घूंघुरवारेकच निसौंह

रिमुखयौंदरसाइ॥ मनकुंकमलकु

परबहीअलिअवलीमंडराइ॥७७॥

मोरमुकटगोपालसिरताटिगमुक

तादांम॥ आणसुरसुरिक्नानतुंसंह ॥१६॥

म

ममसीडकधाम ॥ ८८ ॥ कोटिकामलावणय
कौंहरतस्यामघनुचाहि ॥ तिनकेवदनस
रोजकौंकोकविमकेसराहि ॥ ८९ ॥ पीतं
वरमैलसतियौंहरिकेतनकीजोति ॥ जे
सैंसटीपरागपटनीलनलिनदुतिहोति
॥ ९० ॥ पीतंबरश्रोटतलष्योहरिहियथौं
सरसात ॥ होतहरषमैंमगनज्यौंराधासौं
लपटात ॥ ९१ ॥ पूरनुसंषमनोरथनुचक्र
चक्रवसकाज ॥ गदादुष्टदानवदमनिपं
कजजगसुषमाज ॥ ९२ ॥ कुलपतिहिय
इहिंविधिवर्मोराधासंगब्रजराज ॥ महि
केभोगनुकोगनैसुरपदसौंनहिंका
ज ॥ ९३ ॥ इतिध्यानं ॥ अथक्रमहींसौंना
इकानुकौंस्वरूपकहितुहै ॥ चारिभांति
सौंजानितिगुनवयक्रमअवस्थारूप ॥

34

युति कछुलछिपनाएकेदेख्यौंऔरैलषेजोआ
॥७॥ नूप॥८३॥जाति॥ नननछविपुहुपपराग
मैयसुमनसुमनकोवास॥ चरणहा
थकुचदृगकमलकैयोंनलहैंआलि
पास॥८४॥ ननसुवरमनुंसुमनुग्रह
दृगषंजनकेभाइ॥ रहतचित्रमांरीसदा
स्यामनसषीसुहाइ॥८५॥ दृगछोटेचिं
ताकहावडेचरणकरपेटु॥ अमलहो
तुतनवासुतैंगोरीदुलहैनिमेटु॥८६॥
मवैसलोनी[illegible]लहलहीनीलनलि
नदुतिदेह॥ नषरदजीततिसिं[illegible]घगा
जेदेषीदुलहैनिएह॥८७॥ यथागुण
वचनचा[illegible]लिचितवनिहंसनिमननि
जपिककेसंग॥ लाजसषीमौंप्यारु
अतिऔरलषैनहिअंग॥८८॥ नैंनु ॥७॥

तुम्हविसरतिहियेंवचनतुपियगुन
दोर॥कहौमानुरापौंकहौमोहिवता
वौगौर॥२०७॥प्रीतिदुरावनकेजतनल
गरहेंनिसिभोंर॥सरकीड़ीगिवचाइ
ह्रगदोरिजातपियओर॥२०१॥मानसुजि
गानीसदनतियसवकोमनुहरलेइ।
फिरतिटहलमिसिदाकुलषिफिरि
फिरिश्रचलुदेइ॥२॥करिसिंगारुचंच
लनयनिवेठिसदनकेदार॥चितवि
तुचोरतिनरनकोफगाटिकपटकोप्या
र॥३॥वयसंधि॥जोवनसिसुताकेमि
लतहोतअनूपमअंग।नयोरूपजे
सेंलषतकहततगोरसारंग॥४॥सिसु
ताजोवनकेमिलतयौंसोहतिंनजा त
ति।जरदीमेंलाली॥फलकइंद्रधनु

36

युक्ति षज्यौंहोति ॥ ५ ॥ ग्रतिसुछमगतिविसकी
१८ संधिनजानैंकोइ ॥ देषैरविसंक्रमना ।
लौंताहिग्रमितफलहोइ ॥ ६ ॥ भले ।
लषतभूषनबमनसुरिविंवना । की न
चौंह ॥ फिरिफिरिउरतनुलषतिस्त्रम
कोकरिसकैसराह ॥ ७ ॥ उरउकसौं
हौंमंदगतिपुरु नितंबडगलोल ॥
बुरौरोगउपज्यौसषीहंसतिहोका ।
हिबाल ॥ ८ ॥ देषतिभूषनवमननतु
लेतिनहाथउगाइ ॥ षेलतिचितवति
चक्कनलषिफिरिफिरिउरञ्चरुपाइ
ठौ ॥ गतिनितंबकटिउरजलषिविह
सनिचितवनिलाज ॥ सषीसराहति
सुनिनिरषिसुसिकानीनिजुमाज
॥ २०१० ॥ ग्राहनाहकरदेतकरलाज ॥ १८ ॥

निचौंहीडीठि॥दंपतिपियकौंहाथउ
घिसकुचीदंपतिडीठि॥११॥नहिंछूटी
छूटतवसनइहिंविधिदीनीमांठि॥
द्वैमनकौएक्कैकियौजुवतिनुजोरनि
गांठि॥१२॥श्रौरवनजमैंतौलजोवढै
तौवडौ।विवेक॥वडीनफारसहोइ
जौद्वैमनकौमनएक॥१३॥आसपास
मडरातुज्यौंभौंरभयौमननौह।ज्यौं।
ज्यौंकुलदुहनिलाजडरछुवनदेतिनहिं
छांह॥१४॥सषिनुसयांनसिषायसब
लैखाईपियसंग॥रतिलौंसोरतिअन
नदिंगछुवनदेतिनहिंअंग॥१५॥लाज
चाहपियमिलनकीतियहियभोइ
हिभांति॥पूरवपछिमपवनवलज्यौं।
मौराजकीपांति॥१६॥हिलतिमिलि

38

।युक्त तिविहसतिहँसतिकहतिरसीलेबैंन
॥ रता ॥ छकीछबीलीछबिलषतितनमनश
रनमैंन॥१७॥मरदनिसांप्रीतमपिया
विहरतविविधिविलास॥ज्यौंज्यौं
सिराति रातिअतिस्यौंत्यौंचितहुलास॥१८
धीरादिभेद॥अंगनहूलमषमलर
गमलेभलेबैंन॥गोचारणनिसि
जागिकियहुपहरियारंगनैंन॥ऐ
कहेकौनसैंगनिसिजगेनहिसो
एहुगलागा॥आयेगुहहरफूलके
मनु अंगितनुअनुरागि॥२०२०॥नदीनौ
बकसीससेबलकतिविनुगुनमाल
अधररंगनैंननुपियोलषियतलो
चनलाल॥२१॥कोधअगनिदावी
हियेंकहेनतातबैंन॥चितइउभकौं १९

हैंचषनिलषिपियरात्तनैंन ॥ २२ ॥ पि
यआवत्तआदरअधि काकियोंन
गईनजीक ॥ लिप्योचितुजाकैंवद
नुजाऱकलंअजनपीक ॥ २३ ॥ भोंरभ
येमटकत्तफिरतगानत्तनगेरकु
ढेर ॥ वुरहालकरिहैंवकुरिजैचित
अैहेओर ॥ २४ ॥ ओटपाडलषिग
वुरमैंननवीनीमोंन ॥ लाजगहेदू
रिहिंरहैकहाकहैकहिहैंन ॥ २५
पाउधारियेपोढियेलालनुकरौंवया
रि ॥ आलसुकुरिकरैकह्योतीरछीडी
ठिनिहारि ॥ २६ ॥ मांन ॥ कारकपोलद्र
गपगनुत्तनषनुषनत्तिसुवरेष ॥ स्वा
सअगरकेगंधहरिदेषोमानतिमे
ष ॥ २७ ॥ सोरठा ॥ देषतचितकीचाह

40
यु०
॥२०॥ चित्रलिषीतियहरिलये॥ दूरिकरीगौं व
वाहचितईताताडीठिकै॥२०॥ मान
वतीपियजांनितुवकपोलकीछवि
इहा॥ कह्यौलषैकिनिञांनिहिय
लगाइरिसदूरिकिय॥२१॥ मध्या
चंपकलीनीकीकहीपियतियसौंति
हिंजांनि॥ वेगीभौंहैतांनितवविनई
सौंहैंआनि॥२२॥ रतिमारककंजन
ञधरनारकुपीकसुवैंन॥ जावक
लषिपियभालतियकियपारकरं
गनैंन॥२४॥ षैंचमैंदेसिनुकीघुरति
पाटमांविलौंजाइ॥ हियैंमांचित्तव
छुटैजवप्रीतमसुपरसेपाइ॥२६॥ मान
वतीनिजछांहसौंमिलतपियाकौंदे
षिं॥२७॥ ज्येष्टाकनिष्टा॥ देवीपूजतसं ॥२०॥
सकुचीतनपुलकितलषेमीलीहगषिसुवि
सषि १

गपियवडीलगाईआंन ॥ कुलहिनि
केअैंगआपुकरकीनैंन्यासमुजां
न ॥ वध ॥ हनीमारआतिप्यारपियदेषि
कुकुनकियमांन ॥ कुलहिनिरापीमैं
नदेहूतीदीनीजांन ॥ नूप [illegible]
[illegible] ॥ चौंपरिपलतिमौ
तिवियपियपाछेतेंआइ ॥ एकहि
दावरताइकेहूतीदइउगाइ ॥ ३६ ॥
परकियाभेदचौंपचोषचाहनिचितै
चतुरचुरावतिचितु ॥ चटिचटिचाह
इनिचोगुनैंल्योंल्यौंचुहटतमितु ॥ ३७ ॥
सषीनपावैभोरचितमौंहभाइहा
रिलेइ ॥ भौंनभोरईसीरहतिभोंमि
निभेदुनदेइ ॥ ३८ ॥ धाइसमनुपलत
वदनुछुयेकांह्नमुसिकाइ ॥ चित

युक्ति ईललिचौंहैचषनिधरिजियऔरैभा
॥२१॥ इ॥३९॥ गुप्ताहि॥ भौंरभौंरकाटतका
हतकोइननेदेहजवाब॥गईआवसव
देहकीतेभतफूलगुलाव॥४०॥कुंज
गलीकंटककलितललितदेहछुदि
जाइ॥कहिनसकतितुमहीक्यादि
नाहैगाइदुहाइ॥४१॥मोंहनजुविन
तीकरीमारंगतानसुनाइ॥गोरीकूंरु
नरहियोगोरीरागहिगाइ॥४२॥गाइसषी
सबसंगकीलैलैदूधदुहाइ॥इकला
गतुमनैषरिककोंकहुहौकिनगाइ
॥४३॥चितवनुदेषनिमषिनुसंगहरिचि
तएललिचाइ॥कोकजुगलविविक
रुदियाभामिनिमनकीपाइ॥४४॥मों
हनुमूरतिफलकइगमोमीपाइनीठि ॥२१॥

प्रीतिदुरावनरीतियहज्याछीसीरवी।
इगि॥४५॥मली मई मोंहनु मिलेक
बबू[illegible]मातिहीं तोहि॥वजेनगारेनगर
मैंकोंवहकावतिमोहि॥४६॥विधिके
दिनुसोंहोइदिनपलपलमैंनरलाष
उपजेज्वानसकामसवतवपूजेज्या
भिलाष॥४७॥सोवतुमोचतिजगनिज
न्तुतरफराइसुरफाइ॥विलषतिलषि
स्तनैंसदनवसेपरोसीज्याइ॥४८॥व
रषीनेंनुनीरवकुकरपतषतविसषि
सुरफानीपरफरूलपैंहरषीज्यरहरि
देषि॥४९॥नुरतसवास्योवनकोविज
नालषिहरिहाथ्या॥विलषीनिरषति
कहिगईसुदरीछोड्डौसाथ्या॥२५०॥स
नैंघरुरहिदुलहिनीहसमवजात।

55
सुक्ति अक्रांन॥ चंदगहनुसुनिसदनु
२२ भौसुषसुरलोकसमांन॥५१॥पि
यविदेसमसनैंसदनुगईलुगांईदी
न॥दिषिभयो[illegible]मनुमुदिततनु
कुसमितलतासमांन॥५२॥सामा
न्या॥वाबिनहूजेलषेतनहिंसेवत
वारहकार॥सुकियालोगनिका
करतिधनपतिहीसौंप्यार॥५३॥
नगारीतिजांनतिनहैंगांवैवसौ
गवारि॥हरितनागरीकेपतिनुजु
ष्मैसुनेहविचारि॥५४॥गर्विता॥
रतिरंभाउरवसीतूंजानरूपसौगा
त॥सषीसराहतिदेषिछविअन
षांनीसुनिवात॥५५॥गनिकारंभा
उरवसीरतिकोपतितनहीन॥सो ॥२२॥

45

पतिमेरेवदनकीछविमेंमृगरकोमी
न ॥ ५६ ॥ गौरी आधीदेहदीरहैंरुंद्र
तीपासहै राषीपियचित्तमैंदिनदि
नदुगुनकुलास ॥ ५७ ॥ ओरतिया
सबकुमुदिनीचाहतपियससिओ
र ॥ मोपतिमोमुषचंदत्यौंचाहतुभ
यैंचकोर ॥ ५८ ॥ ओरतियापियप्या
रकोंसबमिलिकरतबषांन ॥ विहस
तिनीचीडीविलषिमूलेसबुनुसा
यांन ॥ ५९ ॥ नरनारीपरिवारकीप
लुनुविछोहत्तिजोहि ॥ नैनननुकीपु
तरीकियेराषनुसबघरुमाहि ॥ ६० ॥
इहांलागुलगिहुनहीकीजेओरा
विचार ॥ देषनकूंनहिपाइहोंसद
नुभरयोपरिवार ॥ ६१ ॥ तियपियहि

·46 गषरचाकरीचतुराईकीकोइ॥वानी
॥२२॥ कूंकैंसंगातजिमोमांनीवसहोइ॥६२
भांतिभांतिचरचाकरतिसुघरसौंति
तिपियपास॥विनुवोलैंकूंवसकिए
कुलहहिभौंहविलास॥६३॥मगप
केवसपियसुनतधाइहोइजिनिदी
न॥सठकौंसठतागुनीगुनजोजीते
सुप्रवीन॥६४॥मोनरहतिपियतनु
चहतिहैंनिजुवंसविचारि॥सौतिक
हावतिकुघुयहैजहांतहांकीनारि॥
६५॥अथअग्याभेद॥सखिनुमति
नसुषकरिकह्योपियकोप्रानपयांन
चकतगहिआगेचलैनैननुगमननु
प्रांन॥६६॥मनुवहरागतिपेलमिस
कुपितनसकतिकराहि॥डीगिवचा ॥२३॥

इस्त्रलीनुकीरहतिउहांहिसिचाहि ॥
६७ ॥ तनसूषेंरूपेंवदनवेंगीगुरुजन
मांझ ॥ पियआगमसुनिजगमगीजैंसें
ससिआगमसांझ ॥ ६८ ॥ सजलनैंननमैं
लेबसनछीनलषीअतिआइ ॥ बिन
भूषनभूषितकियेअंगपियाउरलाइ
॥ ६९ ॥ पियपयानकरिहैंसुननभईव
दनछविऔर ॥ बिनांकहैंसषियनुल
षीहियेंविरहकीदौर ॥ ७० ॥ छुवतिन
पंकजअरगजाचंदहिलषिअनषाइ
विसराहतिकोकिलबचनसूनेंभौंना
नजाइ ॥ ७१ ॥ पियविदेसकीगैंगमनु
स सुनैंसयनअवाँ ॥ कहतिनवियासखी
निसैंगहरीलेतिउसास ॥ ७२ ॥ पावसके
वऐहेसखीकहोजरतिहैदेह ॥ पूछ

48

युक्ति० नपियत्र्प्रागमसुन्यौघनीन्द्रकानमह॥

॥२४॥ ॥७३॥पियत्र्प्राएत्र्प्रागननिरषिललषति

नजोरतिनैन॥ त्र्पचएत्र्पसुवाकरगह

कदेड तिरहेत्र्पधवेन॥७४॥सोरठा॥मानतु

करिवलिदांन॥रूधिररोचनातिलकु

केपियतवकरकुपय़ान॥विघननदो

इविदेसज्यों॥७५॥दोहा॥कह्योजसे

सोष्पानदीससिकरविज्जुसमीर॥जि

यराष्योपियगमनकरियोगसमाधि

सरीर॥७६॥जानिवारिकाकेससुद॥

कहिहरिसोंरविजोति॥निसिपदमि

निदिनकुमुदीनी॥सोंमातनगतिहो

ति॥७७॥मननतनकोमनुतनुभयोमा

नुव्यापकहरिरूप॥रविज्र्पथयेदिसि

जोतिज्यौंज्र्पाभारहीत्र्पनूप॥७८॥त ॥२४॥

नमलीनमैलेवमनपियआगम भई 49
जोतिं॥ कीनेवादरमैंफलकजैंमैंससि
कीहोति॥७९॥ औरदरपनविनुजोतिं।
सैंगपैरनकछूलषाइ॥ ननछविछाईवि
रहत्योंपियउजासकियआई॥८०॥
गुरजननेचदनिषेधमवतजिजीवनकी
आस॥ चितलायोतोसोंसुनचल्योच
ढाइविसास॥८१॥ सैंगसोवनिछुवति
नतनुसनमुखकहेनवेंन॥ पियसोंरू
वीहीरहतिसजलअरुणकारिनैंन॥
८२॥ परतुपाइपीतमतऊलषतिना
चितकीचाह॥ गयोमानुसुनिमीत
केआगमकेउतसाह॥८३॥ आयोंमी
तुवीदेसतेंजवलगुवनेंमिलोंनु॥ त
वलगुभेंटतितनिज [illegible] पियहिकरि

50

युक्ति ॥२५॥

वाहीकोध्यांनु॥८४॥पहलैंमिलीमनो
रथनिफिरिवातियकेसंग॥नैंनुमिलि
तनकेमिलतभएडहडहेअंग॥८५॥
वारवधूपियगमनुसुनिधनलालच
अकुलाई॥भरतिनैंनजलसौंकह
तिरहोरहोगहिपाइ॥८५॥पियविदे
सगनिकालपतिपातीप्यारुजनाइ॥
विरहहरनभूषनबसनदीजैसौंवेगिप
ठाइ॥८६॥गनिकाआवतप्रीतिमहिं
मनमनकरतिहुलास॥लैहौंकंच
क नकनकेवसकरिमोंहविलास॥८७॥
अंगसुखाएतुवविरहतिनकेपोषन
काज॥दीजैवसुभूषनवसनमिलौं
साजिसुखसाज॥८८॥आयेपियाप्रा
भातलखिअरुणनयनसुकुपीन॥ ॥२५॥

51

कहिनसकतिचाहतकह्यौंमुरझांनी
भयभीत॥८९॥स्वासलेतिदावैंवदनु
कैंचतिअसुवांनैंन॥पियमुषलषिर
तिचिह्नजुतसतरनबोलतिवैंन॥९०
आवतलषिजावककैंरंगभालप्रीतम
हिंवाल॥आदरुकरिबोलीचलौदर्पं
नमंदिरलाल॥९१॥ नलौरूपकीनौं
भवरनहिंजांनीरमरीति॥अवनबो।
लिहौंभूलिहौपछितानीकरिप्रीति।
९२॥सगुनविगुनमालालमतिहिय
मेलषोनिहारि॥तवहींहोइविहारजव
दीजेहारउतारि॥९४॥रिसवैरनिझ्रत
फकियोलाजमैमोतिदियेजान॥ चुभ
तिचंदकीकिरनिअवसूलफूलके।
वांन॥९५॥पियविनतीमांनीनतवच

52

युक्त० नतसजलकरिनैंन॥ चितवतिलषि
॥२६॥ चौंहैंचषनिसकुचिहतिनदिवेंन॥
८९॥ जाविनुपलुजीवतिनतेसौतैं
हियोरुगोड॥ तरफराहपलिकांपरी
विनुजलमीनसुभाइ॥९०॥सुरजा
नभयेकुललाजनिजधरमुपियाको
प्यारु॥ जाहितुछोडोआजुसोवादि
रुगयौंयारु॥ जोपियमषनवसन
धमचितचाहैकोदांनि॥ मैंमरषसो
वादिहीरुचयोभौंहैंतांनि॥९१॥ला
ईमषिवदकाइकैंसनैालषिसंके
त॥ तरफरानतनकंपमिमडांनपरेमुरु
षत॥९२॥ वीनतीवीनतिकुसुमवा
नतियआईसंकेत॥ लषनप्रीतममैं
नसरलागतभईसंकेत॥१॥लषिस ॥२६॥

53

नोंसंकेततियसषिततुतकीरिसाइ॥में
नवांनपैनैंलगततगिरीमरछाषाइ॥२॥
प्रेममगनडरलाजतजिगनैंनतमज
लधार॥आईपियदेषननिजुमरनु
गन्यौंनिरधार॥३॥नहिपायोसंकेत
पियसोचतेधनकीहांनि॥औरयार
कृफिरगएवकुतदरवकेदांनि॥४॥
सोचतिनिजुअपराधमनमुकुतैंकु
हतिनवैंन॥५॥पियआयेनहिंसजकों
सोचअंगअकुलात॥बूझनकोफरक
तअधरलाजनिकहतिनवात॥६॥मा
हीसोंसषिप्यारुआतिहोंहीप्रानअधा
र॥आजुरहेपियकृरिकोंसहतुनअ
तरुहार॥७॥वहकाउतेहरिहोंगढो
देसंकेतु॥किनअटकाएकौंरहे॥अत

कहां कौंन विधि क्यौं रहे पिय आये नहि

सैन: ५

54

युक्ति० बुदरतुमोचतु॥८॥ भांतिभांतिरिझयोसु
॥२७॥ मैंवकुधनमांग्योनांहि॥ धनुनजुस्योअ
टकैयोकफूंनहिआयोमोपांहि॥९॥स
जसवारतिसषीअरुसजतिसुरत
कौसाज॥ लषिमिसविहसतिजानि
मनपियकोआगमसुआजु॥१०॥फिरि
फिरिचितवतिपौरिननुफिरिफिरिकर
तिसिंगार॥ सजसजतिविहसतिनिर
षिपियआगमकीवार॥११॥सजविछौ
नासुमनसजिजोतिरंगपानूस॥ हस
तिसषिनसौंलषतिमगुपियहितकि
योजलूस॥१२॥घरकेसवतुरुगाइके
सोइस्हैनैंआंनि॥ उठवैठतिपरकति
कछुआयोमीतहिजानि॥१३॥धन
अंबरभूषनअमितसकलसुषनि ॥२७॥

कोदंानि॥ उफकिउफकिघिरकीलषति
आयोमीतहिमानि॥ २४॥ नहिबोलति
मीठबचनचितवतिनहीनिसंक॥ सौं
हभाइहीभोरयोपियपलुतजेनअं।
क॥ २५॥ लाजनिवानकहैनकछुविह
सतवेपरवाह॥ सेंनजतासषिनसोंमें वति
वसकीनोंनाह॥ २६॥ चकुरानीसवस
दनकीय्योसहरावतिपाइ॥ छकेयोंरू
पतनमनबचनपलकुनझतउनजाइ
७॥ मोतेंसुंदरसोगुनीघरहिंतियाअ
नेक॥ तऊमोहिघेरैरहतुसषिसोबर
वि निबिबेक॥ २८॥ घरपरोसअरुनगरति
यरतिरंभामीलाष॥ तऊअमोलिक
साजदेसूरतेंअभिलाष॥ २९॥ जौन।
सहचरीरूपसमलैहेअंकदवाइ

मो

युक्ति० भेद्दुनैपैहैमदनतियचलिप्रीतमहि।
॥२६॥ रिझाइ॥२०॥अतिअंधियारेमघनव
नपाकुचीपियकेगेह।पतिचिनचित्तु
पाइनिपरतुछुवनिदेतिनहिदेह
१ ॥२१॥मंदमौंक्रउजलसजेभूषनवस
नपी१ नबनाइ।संगलैसमाजकौंपौंचीपिय कु
पैजाइ॥२२॥मृगमदनीलनिचोल।
मजिस्यामसूरतिसषिसाथ॥संगस
लिलैंतमहीमिलीजाइलषव्रज।
नाथ॥२३॥योगमिद्दिसीषीसुतनु।
सेइसुनीसुरसेन॥तमविकासमनर
भूतन्यहिजातलषेनदिसेन॥२४॥
विधिनिमिज्योंजागीरहतिकैकैत
लस्वरूप॥तमतमुद्देपियपैंगाइ।
ज्योंक्रसुजौंक्रष्ननूप॥२५॥तमनि। ॥२६॥

सिघनवरषतविपनमगम्रहिभूतचु
रैल॥पियरसरातीनैगैनिनहिंजाति
स्यांमसंगमैल॥२६॥सरदजौंन्हऊ
ज्जलसजेभूषनवसनसरीर॥जौंऊ
मिलनजौंन्हैंभईपियसोकहीसमी
र॥२७॥जेवडुपहरीचंडकारडरनर
पैवैभौंन॥साजिमरीचिकासेवसनच
लीकियेमुहँमौंन॥२८॥तियकरसीदी
क पकरतिगोसलईसवग्वाल॥सहीपू
लीसांझहैसहैसाजिचलिवाल॥२९
साजिवडुधनभूषनबसनकरिकैस
रससिंगार॥सरवसुलैवैकोकियोन
गरतियाअभिसार॥३०॥अलसानै
आणहियैंलाइसुवाणलाल॥घसो
नमनकोरागुलषिजावकुपीतसभा

58

युक्ति ॥ २९ ॥ ल ॥ ३१ ॥ जावकुलाषिपावकु भईस
षीहसीहदृगाइ ॥ षेलुजांनिसकु।
चीपियालीनैंदियैंलगाइ ॥ ३२ ॥ पा
इपलोटतनपीतमदीकहैपरपेर
हाथ ॥ छाहौंलषिकगतिकहति।
कोहीतेरसा [illegible] थ ॥ ३३ ॥ विधिवसुचि
तुलागपोसुहितदूजेटेपतुषेडु ॥ औ
रसषीनकीकोगनैंछाहौंलहनभेद
३४ ॥ वदेनमांगेहमतसुखसरवसुले
इरिकाइ ॥ रीझेनिजुधनदेइगणतिय
उतमांकसासू ॥ ३५ ॥ चंदनकंचुकि
रचतिसषिपियकरलिख्योउरोज ॥ ॥
भौंहनिसुसकानीडगानिसतरानी
गहिचोज ॥ ३६ ॥ छांहभईनिसिदि
नरहौंनिमषनछांडौसंग ॥ कहांडु ॥ २९ ॥

राईभीतितैंलडतिनसोधतिअंग॥३७
मनवांधोंगादनैंसुमनपियकोलषि
मोमंत्रः॥रचतिकुसमकोसेजमैंव।
सीकर्णकोमंत्र॥३८॥मनमैंदोरतिक
रतिसवचितनकेचाहेकाम॥मोसैंसी
तिडुराईकैंवादांधरेगीवांम॥३९॥
मांनुविनासनुमांनुनहिंअजहू
मसुफिसयांन॥सीधीकहिसैतिन
वैदेषीतमुलषनुअयांन॥४०॥गार
बुछोडिगुनरूपकोपियकोमनुले
हाथ॥सोतिसवैनीचीरहैंपिरैंसह
चरीसाथ॥४१॥कंचनतनकुंदन।
कियोबिरहअगनिमैंताइ॥ज
रियामैंमनुजरैनऊलालननलप
टाइ॥४२॥औरेंआइनोसैंकहौं।

60

युक्ति सुनिकाहूकीवात॥ चलौंजाहकि
॥३०॥ धौकोकहैमेरोविरहउतपात॥४३॥
षरीरषदिनअवधिकेगननतनिवुर
तुवेहत॥ वादीनरुणिकपोललौंभ
ईनीतिमहिसत॥४४॥ चंदनकम
ल कपूरजलनहिचेततिसंगमो म
म जियतकहैतुवनामसुनिश्रवन
सीममैरोम॥४५॥ आउइत्तेफिरि
पाइमैजावकुदैउवनाइ॥ निरषि
लालकेभालतनुमुसिकानीसि
रुना॥४६॥ दूती॥ वेनीगूथतिकांन
लगिकहीमीतकीवात॥ फिरिबूझ
तिइतउतचितैतनमनअतिअ
कुलात॥४७॥ चलिनिरभैमिलिप्री
तमहिंयोगमिद्धिमोमाथ॥ नहिं ॥३०॥

देषैंसुरअसुरनरसीसधरैंहौंहा-
थ॥५८॥ भानुतेजुसिरपरसह्योंनो-
हितमीज्यौमेह॥ तुहीतुहीसुकुहि
येंतुंनैननुदरसनदेह॥५९॥सीस
फूलसवतियनुकोपियकेउरको
हारु॥सौतिनकीछातीकरतिचौ
कीरूपनिहार॥६०॥जीवनमूरि
सखीनुकीपियकीप्रानअधार॥
सौतिनफूंकीभांवतीतोसीनसंसा
र॥६१॥नाइका॥ज्ञाननरसनोना-
सिकाश्रवणहियैंयहभाउ।दरस
परसरसवासधुनिगपानराधिका
चाउ॥६२॥चितवनिचांहनिबचन
रसमवसौंउहिंउनहारि॥हरिराधा
नैननिफलककोउलदैननारि॥६३॥ 61

62

वृत्ति हरिन्ह्रोएरतिचिह्नसुषलषीन्हरू
॥३१॥ ताइगा वाल॥ कह्योस्वांगकेसौकि
येहमदेरीकेष्याल॥५४॥मजल
व नैनरूपेवँनज्यौंजोन्हतिमसताइ
सौन्ह्रालिंगनचुंबमुहेंसौंहषातग
हिपाइ॥५५॥यात्यादि॥रषवारीसौ।
धरमकौसकलसुषनिकौदानि।सौ
चंदनुकीचांदिनीतिरीसुहसुसिकौ।
नि॥५६॥रूपरहकसूषनवसननि
जुतियसवसुषदानि॥तऊपरोस
नि [illegible] चितुहरतिकुटिलकी।
टाछिनितानि॥५७॥नहिंआईहती
निहूंकीनेजननकरोरि॥गीकिपरौ
सनिवसमईन्हुनतमनितुकौसार
॥५८॥न्हुकियालाजदवीरहेपर। ॥३१॥

कियामैमीत॥रतिविलासकैंऔरन
हिवारवधूसममीत॥८१॥लालनवभ
ल्यौमदछकैंप्रेमभगानकुंदकाइ॥ग
णिकाचितुचोरतिसुरतकानरङगद
रमाड॥८०॥इतिआलंबन॥अथउदी
पन॥नदीरितुवरणानङ्गधनुषधनु
धारमरगोरीभुजाअभंग॥दामिनिर
तिसैंगकामघनभेदनुकोंमिनुअंग
ह॥अंबरघनदुतिदामिनीसुकनमा
लबगपांति॥नूघनमनिजुगनूगन
कविछुवनझिल्लीकांति॥८२॥कुंजभ
वनकीछविलषौहरिपावससरसंति
मांनिकविथुरेपुकुमिपरसुकनाव
रमनपांति॥८३॥स्यांमघटामैंपांतिउ
डिवगुलायोंछविदैत॥राधहिलषिघ

युक्ति नस्यामउरभईदामिनिमनोसत्त
हथ॥पावसबलजलमयभएगिरि
॥३२॥ वनअवनिअकाम॥अदयवरउ
रस्यामकेराधाजोतिविकास॥६
५॥उदयअस्तगिरिशृंगविविमो
हतपावसआज॥हरितकंचुकीमि
ल मनोमहिकेवमतउराज॥६६॥म
हिडुलहिनिपांमरचीकीनोसर १८
मसिंगार॥हरितवसनभूषनल
सतबूढनुजुगनूहार॥६७॥पावस
निसिघनघुमडिकेदावसवेउजा
म॥जोवाटनुतमत्पोवढनुकाम
कलिपरकास॥६८॥रविसिसिउ
डुगनअनलद्रगदावतमजलजो
र॥पावसअंजनअवतुनमुन। ॥३२॥

निहारैंनिसिभोर॥६९॥बूढ़लषन।
षोयौकछूमदमानुतियभूलु।फू
ल्यौनिरषिकदंबुभोनतुकदंब
कौफूलु॥७०॥तियतुडुहाईमे
नकी [illegible] कहतमारकरिमा
र॥मानुकौरतापरचढेपावसरुधु
नघोर॥७१॥इकछत्तराजामैंनुदेपा
वसनीन्यौभौनु॥अवनिगगनुफू
मिलिरहेअनमिलरहेसुकौनु॥
७२॥होततिघुकुमिसबडहडहीव
रसतबारिदजोर॥पावसरितुप्यासे
रहतुचातकऔरचकोर॥७३॥स
रठा॥पावससमहिमिलीकरीताउज्या
लताकाज॥घननसेनइकवेकियै
मरदसुपदीमाज॥७४॥मरदसमै

66

युक्ति दरिवाधुलषिसेवकसरसमनेह॥

॥३३॥ मनकुसुधाकरसुधाकरिकियउ

ज्जलजगगेह॥७५॥काहैनिरर्थक

सरदघनतेमृगथनिरधार॥ अर्थदे

तसवजगतकोदंपतिसुषआधार

॥७६॥याहीतेंससिकमलकीसर

दसरसछबिहोति॥रविससिलो

चनस्यामकेपुलतिमिलतिवहजो

ति॥७७॥एकचंदकोसंगुलहिसबुज

गुजीततुकोसु॥ उडुगनससिममस

रदघनससीसहंसगुनधांसु॥७८॥

पकुमिसलिलउज्जलकिएरजनम

गएविलाइ॥प्रभुजाकोप्रकासभय

सरदसत्वगुनपाइ॥७९॥हिमा॥हि

मग्रीषमज्योंसलिलगतितेंपोंहिमसु ३३

मनविलास।वाहिरसुदिजुवजनहि।
यैंकियाकमलपरकास॥ ८०॥ फूल
होतहैंकालीतेंयहसवरितुकौंम॥ हि
मरितुहिमवरकुचकमलकलीहो
तअभिराम॥ ८१॥ चाहतिनवभूषन
बसनरहतिनरचिपियसंग॥ हिम
रितुनारिनवोढलौंगमकपावति।
अंग॥ ८२॥ सिसिर॥ उवलसीतलगि
रविदव्योद्योसनपरैलषाइ॥ ससिरि
निसामतजोमकियहिमकरहिम
वरसाइ॥ ८३॥ तिजभजेसवसिसिर
भयवसमदनतनजाइ॥ जुवजन।
हियेहमाममैंवहविहरतसुषपा
इ॥ ८४॥ वसनअसनमंदिरअनल
कौंकृनशीनबुफाइ॥ नवसुषपावें

67

का

68

युक्ति

॥३४॥

रहैजनवजुवतीलपटाइ॥८५॥आग
मुलषिरितुराजकोपातपुरानेंमा
रि॥मसिरमवारतिवनमदनपव
नप्रचंडवुहारि॥८६॥वसंत॥न्म्र।
विताली रितुराजकेकोकिलका।
दैयोपुकारि॥रहनननपावेपुकुमितें
विरहैदेकुनिकारि॥८७॥पांसोपरे
सुदावहैराजाकरेसु[illegible]काज॥जु
मव्रपतनुकोंफूलदेसपतकिये
रितुराज॥८८॥रतिषलतिरितुपति
कुकुमजननजनउरलपटाइ॥का
सुमित्रतामेंमगानफिरतुनजानत
नाइ॥८९॥सुमनसुमनससिकर
सुषदविविधिपवनअभिराम॥ ॥३४॥

मित्रमनोजवसंतकेकोरमचेसु
षकाम॥९०॥देषितरुनकीछवि
हंसतिदीयोलाजडरुनाषि॥म
तभइकोकिलफिरतिबोरेकोरसु
चाषि॥९१॥मैंनुजगावतिवातल
गिलेतिहसतिउनहारि॥बौरीब
नराजीभईलगेबसंतबयारि॥९२॥
सुमनसीसगुंजतिभैंवरमांनुक
कुंरहिदैन॥ [illegible] लीनेमैं
नहथ्यारकरसुनिकोकिलकेबै
न॥९३॥नहिसुवासुनहिमधुरता
स्यामबदनकीलाज॥केसरिरंग
ला पर्सकैफूलहियेरितुराज॥९४
ग्रीषम॥पुहुमिसलिलस्वरूपव
ननभइनकैगुननवनुदवाड़॥ग्री

70

युक्ति० ॥३५॥

षमरविकेतेजकियचास्यौतेजसु।
भाइ॥९६॥ग्रीषम[illegible]मीषमकर।
निकरव्यापिरह्यौब्रह्मंड॥कालव
दनकीज्वालसमझंझापवनप्रचं
ड॥९७॥ग्रीषमतेजुदव्यौमदनष
सषानेमैंजाइ॥क्राइफुहारेरह्यौ
जलचादरिदेदरवाइ॥९८॥डा
रेकेलिसरोवरनिषेचिसुमनकी
माल॥जुवजनमनमींननुगहे।
तुमैनब्रजराजेजाल॥९९॥जोन
सुघदमीनैंवसनसलिलपवन
तामांझि॥ग्रीषमजीवसिंगारको
जहांसुदाईसांझ॥१००॥कोकनु
केउपचारकौंग्रीषममनदि।
ओर॥निसछोटीछोटेमलिल। ॥३५॥

चौसवडेजिहिंगेर ॥१॥ ग्रीषमतातो 71
लषोमतियह जगसुषकोंमाज।
तेजदिषावति आपनोंरसवरसा
वनुकाज ॥२॥ सूर्यास्त ॥ आंमडुप
दमिनिकोककोंमानवतिनुकोमा
नु॥ जगसंतापहिमाथलेसागरुपे
वैभानु ॥३॥ सांझ ॥ दिनआंगुनगुन
चंदकेकहतिपरतिचिनमांझ ॥ मि
लनदेतिनहिंदिवसनिसिससिकी
छतीसांझ ॥४॥ सांझसमेंसससिआग
मनलषिप्राचीकीआग ॥ द्योतिकु
मुदिनीडहडहीचंचलचंचुचको
र ॥५॥ वौरफूलसुमनमदिपूरीअ
नुराग निसिमुषलालीलसति
हेससिआगमनसुहाग ॥६॥ म

चौर

72

|युक्ति| धुपपुंजचरचासुमनगायननकीलीला
||२९ वाम|| लषिदसदिसिसनुरागस्य
सांककिमजलसिकाम||७||चंद्रोद
य|| भोनतजदाब्योमदनेकेनपुंप्य क
लषाइ|| प्रगटकियोजननजनहियैं
चंदसहोदरआइ||८||प्राचीजायो
पूतससिमघवाकियोकुलास||
लालीहाइनसांककीकेसरिरंगपो
प्रकास||९||चंदुनदीयहमैंनमें
रच्योआरसीधाम|| जात्योंदेषत
देषियत्तुकिरनिकिरनिमैंकामु|
|१०|| उदैहोतससिकीकिरनिल
षियतहैंइहिभाइ|| मनोहिसिंगारू
जरनारकीसारीकस्योबनाइ||
११||वायुवर्णनं|| विरमिचलत्ति ||२९||

वीनतिचलतिकुसुमकेपवित्रसर।
क्राइ॥मनकुंमदनपूजाकरतिचेत।
वाइंचितलाइ॥२॥तरुअलिगनघ
नरुकिचलतिछपीछांहसियराइ॥
वनविहारमिलवतिसुमनविछुरे
पूतीवाइ॥३॥रात्रिरम्यांसंगाकुमुदि
नीसकुचिमलेसरक्राइ॥अछन
अछनदछिनपवनपद्ममिनिउरल
पटाइ॥४॥मवनविहारअनुराग॥
सेवकसंपतिमदनतऊवनसेवंत।
व्रजराज॥गोचारुणकोकाजुनहिंगो
चारणकेकाज॥५॥वड्डीनपापाईउ
कुनुहरिराधासुषमार॥वृंदावनदी
मेफिरतिगोगोरसव्यापार॥६॥मांग
नदधिकोदांनतऊअमितपुरषपरि

74

युगि०

॥३१॥

मांन॥नैंननचैवैनीदेषिहरिकियनिजु
समरवसुदांन॥१७॥दधिकोंफगरति
हुकुनकेमिलेफमकिहगाजाइ॥हि
येविकोंनैपरसपरभूलेगोरसगाइ
॥१८॥करफारतिरूपेबचननामानै
ननचाइ॥ज्योंज्योंफगरतिराधिका
हरिमैंनुत्योंललिचाइ॥१९॥हरिन
लईजबदेतियरूदेयनमांगतदांन
नैंननुकेफगरैंपगेदोउनुएकेज्ञान
॥२०॥मोरुकरतिब्रजनागरीवादिसु
नैंकिनिबात॥नोरसबीधैस्यांमघन
गोरसमिमिललचात॥२१॥लगेंन
पलतोस्यचलजलभरिभूलेवैंन
वृंदाबनकीदेवतोराधालागीनैंन॥
॥२२॥जबतेंदेषस्यांमघननतवतैंया॥ ॥३१॥

वृछोपरस्परराग दऊदोऊनुकौर

हगनिहेहति ॥ तरफरातिदामिनिम
नौंविनुघनफीकीजोति ॥ २३ ॥ देष
तिराधाकृष्णकौंलषतवनग्रहज
लद्रुमबाग ॥ २४ ॥ राधाबनलूटत
सुमनभँवरस्यांमघनआई वी
द्रुपरागप्यारीलै तीकरुगहि
लईछुडाइ ॥ २५ ॥ कुंजसदनराधा
गईबीननसुमनसुभाइ ॥ छोडि
छोडिफूलीलताभँवरनुघेरीआ
ई ॥ २६ ॥ कुंजछिद्रमेंमलसतमुष
ससिकिरणिविकास ॥ मोरपछफै
लाइमनुनाचतुचितहुलास ॥ २
७ ॥ मोरमैंनकेपहरुवावारवारनि
सिघालिकोऊमतिसाद्वोकहत
वासैकेलिचितिषालि ॥ २८ ॥ सद
नटहलकौंकहतिहैंपुकुंमिन

76 बनचलबेकीबरकौंबाद्र नकेसेपाइ १

सुति पगद्वलाइ ॥२७॥ अनुभाव ॥ चा

॥२८॥ षलाइसिषवतिसषीवेचोंकूनिक

टनजातिप्रीतमुलीमैंलाजगहु

चितवनिहीसोचाति ॥२७॥ पुकुमी

पगुपरसेनहींअनिमिषनैननतु

जोति ॥ अधरअम्रतप्रीतमपिय

अमरहूपतियहोति ॥२८॥ सुरत

समैंपियवसपरैंतरपरातिवेहा

ल ॥ जैसेदामिनिसरदघनसतस

ज्योंबाल ॥३१॥ व्याकुलचितव

निखेदमुषभौंहनिषिकनिश्रमा

ल ॥ सियलअंगतियकेगईसु

नतसुरतकेबोल ॥३३॥ उरमसक

तकसकतअधरचुवतचारुकपो

ल ॥ मणितताननसौंछकीतियक ॥३७॥

तिनकरबेवाल॥७४॥मुकतावर॥
माएचिकुरछोरवंदीवान॥पुरुष॥
भाव लहिभामिनीकियनिजु
सरवसुदान॥७५॥सुनिबिनतीवि
परीतिकीवालनवालीबैंन॥कटि
तेषालतिकिंकिनीनिरषिलज्यो
हैनैंन॥७६॥कहूंपीककहुंअरु
जाजावकमहैंदीचीकरतिकीगां ति
तियसजकीचादरिदीकहिदीक
७७॥अदभुतरतिविपरीतिलषि
रीझिमगनद्वैभूमि॥स्यामघटाव
रषतिकुसुमअंबरआयोभूमि॥
७८॥इतिसंयोग॥अथवियोग॥४
जैसीछविसषिपैंसुनीवैसीयेध
रिध्यांन॥लषिसकुचातिनुसिका

युक्ति ३७ त्तिजलपत्तिवचनतलपकोंकरन
छिनुहैन॥मोहनुमुरत्तिस्यामघनु
जवतैदेषैनैंन॥४०॥नवलासीकं
चनकुसुमकिधौंदामिनीकांति
चंद्रकिरणिकीसीचमककोचितु
चोरैंजांत्ति॥४१॥रूपरहकवैंकीवन य
कसुनतनरहीमैंभार॥कहिस
षिउरतरफरतुव्यातिकविमिलि
हैंसुषमार॥४२॥फिरिफिरिचितव
त्तिचंदननुफिरिफिरिनिरषतिद्वार
मोचत्तिनिचुअपराधमनपियकों
करीअैवार॥४३॥आवनकहिगु
रुजनकहैंगईरत्तिजगंवाल॥मो
विनुपलनहिंरहिसकैंक्योंमोका
रत्तिविहाल॥४४॥हियोपरेषिनु ॥२८॥

सोंभस्योअरुणतिरीछेनैंन॥पियतल
फतविनवृत्तिसषीतउनबोलतिवें
न॥४५॥रिसहांईअपराधबिनमैंपि
यरहियोविडारि॥चंदकिरणिवीर
णलगीअवसुमोहिउवारि॥४६॥
अनुतैंअनुतनुभयोमनुरहैपिया
तनुमांह॥अधिअधिआभारही
लषियततकीछांह॥४७॥स्वासते
जदसदिसितचीकीनौंविरहनिदा
नु॥कांक्रचलौव्रजमैंलगतससि
सोसीनलुभांनु॥४८॥पांचतत्वकेगु
नतजेमनकूंडारयोमारि॥निरगुन
हितनिरगुनभईविरहअनंततुजा ल
रि॥४९॥सिवजूमैंनिजगाइकेबिर
हनिकरीनिहाल॥वेरीकोभैयाक

नगैंस॥सिव॥नदीनदसबैहोतविनुनीर ५८ रवि
लौंवरहनिजलसबैसोष
कैंधौं।स्वाससमीर २

80

युक्ति० दोचंदुधर्यौंभाल॥५०॥असनवसन
॥४०॥ भूषनतजेछोडीमदनसमृद्धियोग
सिषायौविरहगुरुपाईअणिमांसि
द्धि॥५१॥चंदजेरपरलौंनुदैविरहा
निकारनुविहाल॥कहाभयोप्राव।
सिरचढेजरिदैविषकीज्वाल॥५२॥
ईससीसफूंवमालियैविषहींगुन। को
मंद॥५३॥तरकसभरिमैंनहिंदियैल
षीनविरहनिपीर॥लीनैप्रांनवसंतत
जिविषधरतीरसमीर॥५४॥रैनअंधा
रीसघननभकोकवधनवौंधीर॥भा
धुसरोवरसैंछुवतुनातैंनातैनीर॥५५
३हिंदिसिफूंनिकसनुपथिकताके
स्वाससमीर॥ह्वैसेंहींसागरभरेवर
षिद्रगाननुकेनीर॥५६॥विरहआग ॥४०॥

कल्पानीभद्रास्तुत्योकहैअमृतकरचंद ८

निरामनिनिकसिवरीदेहरुदिहाल
पावसनिसिद्रुमभटेयोमनंरुरचिजुग
नूकोजाल॥५८॥रविकैंहाथहजारदी
नीनिकोदिकरबाल॥रोमकूपमगा
निकसिवियविरहअगानिकीज्वा
ल॥५९॥इतिश्रृंगाररस॥अथहास्य
रस॥ईसकहीवैंगुननुकेपटननवां
वैंचन॥चतुरनुकोचितुवितुहरैंम्
वबोलिपरतन॥६०॥पाथिनुहीसें
अतिनिपुनलोकरीतिनहिबाधु॥स
न्निपातकूंवकलुतहंकरतपदारथ
साधु॥६१॥हरिसोसोरहेसदेसरिषि
मिलेआनिपतिभाव॥कोमवासनं
विनुनहीअोरमुकतिकोदाव॥६२
सजिमालाछाप्पतिलकवैवकहे

82

सुक्ति नपुरान॥चोटकरतद्रगवांनकीक
॥४१॥ हिअरजुनकेवांन॥८३॥करमबद
रिनिंदाकरैलेहिप्रतीग्रहफेलि॥त
हांकहैंमतजुगजहांदेवरमावजके
लि॥८४॥वेदीचंदनपौरिमैंलालय
हकीमाल॥मदिरामैथुनतैंमुकति
कहिवहैंकावतबाल॥८५॥दिनप्र
छतिनापैअवनिअवलोकैअसा
मांन॥औरयहननीकेकहैंलेहसु
कवोदानु॥८६॥याजोतिषसोंजो
तिकीआजिजकीनैंलोग॥जन्मप
त्रकेलेतहींवरनेजारजजोग॥८७॥
षासतआवेमूरछाज्वरितकुटंब
समाज॥कहतछईछिनमैंहरोंहैं
देफोरसराज॥८८॥रोगिहिदेषतप ॥४१॥

83

दतवकुनहिउपजतउपचार॥ अजे
पालगोटाकिगुरुभागवगतसंसार
द६९॥ हरिसौंकरिपतिभावनांपुक
कौंहरिहीजांनि॥ सुनतप्रेमअति
हीवढ्योस्वामीसोमनमांनि॥७०॥
तिरछेद्रगचितईकरतकांनलागि
उपदेस॥ अंबुरुजमौंकपालमैंपे
मेरामकेभेस॥७१॥ गतेमोटउजेरे
छोपतिलकबनाइ॥ मोडामनमा
हतनुरततीषीतांनसुनाइ॥७२॥
कहतजहांसबुछोडियेसोमृचौ
वैराग॥ भोजननीकोआरसुषु
वैरागीवैराग॥७३॥ नियपवईपूज
नजतीजहांधरमुकोवाइ॥ निज
तीकीनीतुरतउनन्हवेदेवप्रसाद

अलिविरहताअगनितैजलकोचल्योप्रवाह ५

84

युक्ति० ॥७४॥ चडेरोमनषसीसपरजटाध
॥४२॥ रीमुषमौन॥ कहाभुजाऊंचीकि
येरोकीमनकीगौन॥७५॥इडापिं
गलाजोगहीजोगीमांन्योमागु
कांनफरायेंकहाभयोजोनपढो
जगरागु॥७६॥इतिदास्परस॥अ
थकरुणारस॥ अर्जुनसुनिअभि
मन्युवधरदिनसकेयोउरदाह॥७७
हरिहिवांधिजसुधाषिमतिमांष।
नुषायौगोइ॥उभकोंदैचषमलिन
मुषदेषतहीमोंरोइ॥७८॥द्रोपदि
करीपुकारसोधुन्योंभईनहिंहूरि
हरिलोचनपूरणसलिललईप्रेम
पटपूरि॥७९॥गुनमिलाइसवज
गतेकेवसनद्रोपदिहिदीन॥आ ॥४२॥

धुरहेनिरगुनसुतवविरहुविपतिह
रिलीन॥८०॥जनहितहरिहुष्पतभ
एतजिकमलाकोअंग॥नैंनसलिल
विहवलवदनआएगजध्वनिसंग
८१॥विपनविदारनविरदकीसुधिक
रिकियोनफेर॥जगतारनआएतुरत
सुनिवारनकीटेर॥८२॥रौद्र॥मात
बंधन तात सुमिरिकंसहिलषित्र र
धकि॥आयुधकीसुधिरदीनहिंपट
कैयोंकेसफटकि॥८३॥नैंननअरुन
बिसराइपनबांधिवसनगहिचक्र
भीषमपरनांगेचरनाचलेदवतसु
तमक॥८४॥बीर॥रावनमोवलु
लषेपानहिंबादिहरीवासंग॥आजु
हरौनवसीसदैमोशिवआवकुसे

86

युक्ति ॥ ५३ ॥

ग ॥ ८५ ॥ रावनु हास्यो बालि सौं तन युद्ध
के योग ॥ षण सुषगज सुष औरगण
शिव लै आवो लोग ॥ ८६ ॥ स्वाम उडौं
ऊंमघ दौं हरै पोइ द्रुतु व मांनु ॥ हंसि गि
रवर कर धरत भौं वदनु भार कौ भांनु
॥ ८७ ॥ भयांनक ॥ सेद कंप पुग मंच तनु
जय मुंह व्याकुल चैंन ॥ विरव रूप वि
कराल लषि सकै पान मृदै नैंन ॥ ८८
वीभत्स ॥ औरनु को उगिलनु गिल
तनु गति पराई लेत ॥ देव जात ताक
वित हर पसु भष पाल समेत ॥ ८९ ॥
लोचन की चरना कके फ मांस गांठि
कुच जांनि ॥ मृतक रूप सर व स्वपर कां
मिनि करते गुमांन ॥ ९० ॥ अद्भुत
देव असुर नर दैं कहा केछू नम कै ॥ ५३ ॥

विसेषि ॥ चकितप्पकितजसुधाभई ।
बालकुमु हंजगुदेषि ॥ ८१ ॥ दाबान ।
लभ्रचवनकियोकालीकेसिरनां ।
चु ॥ पयप्पावतप्रानतुपियेकहेकों
तुयहसांचु ॥ ८२ ॥ श्लोक ॥ पंडितमूरि
षभेयधरिनचत्तउदरकेनांच ॥ मुक
तिहेतुविधिमगकरमहरिचरनतु ।
सोंसाचु ॥ ८३ ॥ जपतपसंजमनेमव्र
तसबकरिहरिहीबढाइ ॥ मांतुछौंस
मताप्रियतादयादमसत्यसीलसंतो
षु ॥ एसबकरिहरिरूपमैंमगनहोकु
शहिमोषु ॥ ८५ ॥ मनहिंभ्रांनिघरमध्य
कैसुद्धसत्वमतिवास ॥ गुरुप्रसाद
तैंहोइतवज्ञानमजोतविकास ॥ ८
६ ॥ मतमतनमैंभटकताफिरतसेरे

ढिकेसीसधरिनिज्जुभकतनकेपाइ ८५७
मबुमहिबोमहिखदा तासलिलतै
जतैभामसघदैवोलैपवनतैंव्यापनाग्रो

88

स्तुति ॥ ४४ ॥

नएकोकांमतजिकैंबाहिरकेविष
यदेष्फुलिआतमाराम॥ ९८॥ केंडेप
स्तापत्ते॥ जोतुमूल्योताहितेंभयो
वटाऊआपु॥ वैरिनुसोकरिमित्रता
केंयांनसहेंसतापु॥ ९९॥ तेरेईपरा
कासतेंचौदभवनविकास॥ ताहि
नसमेंआपुनुयोदविवैरिनुकेपा
स॥ १००॥ करताभरताभौनकेह
रतातेरभाग॥ नलिनीकेसुकलोंवु
ध्योंतहींविषेअनुराग॥ १॥ अधि
कारीसवजीवकोजहेंविषयभोगु
नहिंभोगु॥ भोगुजगतवैरागलों
हरिचरननुअनुरागु॥ २॥ कहा
भयोमांनसभयेंधिकुचतुराईवे
द॥ कमिलैंछेदरनिवासतेंजोउ॥ ४५॥

89

पर्यौनहिंपेषद॥३॥कफकीवरकैस
दकौंलषतअमृतकीआस॥मृतकू
परतिकरिकरतुनरकपरनअभ्या
स॥४॥नहिंवसमैंइंद्रियतनयचित्त
ब्रत्तिनिजुवाम॥देहगदकौंवास्तुतौ
कहिसवकौंनहिंकाम॥५॥पस्तुदृ
गडहैमैंपर्यौफरकतुनिकसन।
कौंज॥विषयकूपतैंतौहिंक्यौंनिक
सतलागतैलाज॥६॥चल्यौभवोदधि
पारकौंमुकताजानिअनूप॥हंसमा
नसरदूतजैपापर्यौविषरसकूप॥७॥
निकसिविषरसकूपतैंगुरुरसना।
आधार॥हंसजांनिनिजुरूपवपकुं
चिभवोदधिपार॥८॥जैसैंघटुआ।
कासमैंघटमैंहैआकास॥वाहिरा।

90

युक्ति ॥४५॥

भीतरजगततैंत्यौंआत्माविकास॥९
ब्रह्मज्ञानआनंदमयवाहिनित्यक
रिजानि॥मोहवोधुविनुओरजगता
हिअविद्यामानि॥१०॥मतिहिविका
सकसत्वगुनरजकासनानिवास॥
मोहमगनसहैजनकछुतमगुनक
हैविलास॥११॥हानिलाभआदर
विरस रहैएकअनुहार॥सुषदुष
मैंभलेंनहीजानैंगुनव्योहार॥१२॥
आवतगुनवरजैनहीगयैंकरैनहि
चाह॥गुणातीतसोवरणियेंसवसि
द्धकोनाह॥१३॥जातिविरतिअरु
अगकूंब्रह्ममांहनहिंभेदु॥वहमि
अविद्याकेगुननजगउँजायोषेदु॥
१४॥महामोहकोकुहुवतजिगाहि ॥४५॥

प

विवेककीरीति॥ब्रह्मरूपपरसंन्नचि
तसोपावमोक्षीति॥५॥भजनकर
तहींजांनियेंजोजेसोप्रभुतत्व।जां
निमिल्येनिजरूपयौंमुक्तनिकाम
कामत्व॥जांनिमिलेनिजुरूपपाए
दूजेतैंभयहोतहै।आपुरूपजगुजां
नि॥तबनिरभयपदुपाइहै।मोहबो
धकीषांनि॥७॥मनसावाचाकरम
नासेवकुत्तजिफलआस॥पैयेअ
दरअमितफलबिनुमांगेंप्रभुपास
॥८॥मांगेंमांगेपोपाइयेकरमअगजु
नहोइ॥प्रभुहिसमरपेअमितफल
अगाहीननहिकोइ॥९॥बंधकहैं।
कांमिककरममुकतिहेतनिःकाम॥
पोटतजेमांगेंनहीकहूजगातीदाम

92 ज्यौबांध्यौहनुमानकौलषैनिसाचरछोर ४

युक्ति ॥२०॥हौंअहमेरोमांनिवौयहैदुख
४६ कौहेतु॥ममताछांडैंपाइयैपरमंद मा
निकेत॥२१॥ब्रह्मबंध्यौप्रतिबिंबकै
वैंध्येअविद्यामांह॥२२॥नामरूपा
जितनैंजगततेसबनश्वरजांनि।रू
पेसततजिमेइगुरुनित्यमोदगुरुआं
नि॥२४॥देखौचितमैंजापुरहै।जा
कैंहियैंसदादुषीहैमोइ॥आनंद
देवौचितमैंआनंदरूपसुहाइ॥२५
करिमननिग्रहनेमव्रततजेसबैरस
भोग।हरिमौंहितुउपज्योनतौव्रथा
कियेवस्तुयोग॥२६॥करमकरकुत
जिकामनाजानिनिगमकीरीति भ
एसुद्धमनुउपजिहैहरिचरननुसौं
प्रीति॥२७॥हियउपजतहरिकीभग ॥४६॥

ब्रह्मअरूपीगुनरहिततनाहिनित्यकरिमांनि २३
माधिआधिमरिबौजराहानिजगतदुषजांनि
॥

तिहुराचारमिटिजांहिं। जेमैंलागतभू
षवैंसवदोरागनसांहि॥२८॥रघुपतिके
तजिचरणनषचंडअमृतकीमासि।२९
हरिकीरतिसोंचितपगिदूरिकियोसंत
पु। ससुरवधूकोजोगुलाषिभजैपोका
मुगहिचापु॥३०॥दसनवसनविनक
रीतूंरमनउडायेआइ॥सवेदोषमिटि
जांहिहरिनामनदीजोंन्हाइ॥३१॥स
नांम्रुनतकुवोलनवदिजवरछांडो
संग॥अजकूंगहितजिअधररतिरां
मनांमकोसंग॥३२॥भावध्वनि॥स
वमैंसमदोंकफतनुमहरिमासों।
वैंग्राकोकु॥मोअपराधहिंश्रोंनिउर
अपराधीमतिहोकु॥३३॥तुमव्यापक
सवजगतमेंहोजगमांभसुरारि।जो

९५
स्तुति ॥४७॥

मोउरआवतनतोजगतैंदकुनिकारि
॥२४॥ काकूंआरतसौंकृपाजोकिजि
येमुरारि॥ मोसोऔरनपाइहौंमोहो। ता
कौंतारि॥२५॥ भौसागरबूडतुगरैंबं
धीपापकीपोट॥ राषिलेकुआयोसर
णमोहिदयाकेकोट॥२६॥ भवसागर
कोमीनुहौंदीनरसनरसलीन॥ रूप
विरदहित्तराषियेजगतारनपरवीन
॥२७॥ मारत्तमोहिआनाथकेकामक्रो
धमदमोकु॥ हौंजगुतुमपत्तिजगतके
मेरपत्तिकोनुहोकु॥२८॥ चित्तनआ
योजनमतैंदेवतुमहित्तजिऔर॥ नि
रगुनतोचित्तधरीतौकरुणाकौंनहि
ठौर॥२९॥ हौंसमरथसवभांतिहरितौ
कहिआवतिवात॥ पापपुंजहौंतुमा। ॥४७॥

कियौतारतकैंौंवलजात ॥४०॥ वेदउधा
रदेवहितसंषासुरकौंमारि ॥ माहामी
नभवजलधितैंत्योंहीमोहिउधारि ॥४१
देवकाजमंदिरकस्योक्रूरमनिजुपी
वि ॥ ॥ मोकाढनभवजलधितेपाइ ।
टिकैंगनीठि ॥४२॥ क्रैवराहनिजुडाढ
धरिकियोपुहुमिउधार ॥ रूषरूषफि
रतवेपोंमोन्पारनकीवार ॥४३॥ विपति
हरीप्रह्लादकीत्योंमोकूकौंत्यारि ॥ वि
रदउधारनसोचुकैंनरहरिरूपउ ॥ धारि
॥४४॥ तीनिचरणकीनैभवनबांवनब
लिवहैंकाइ ॥ मोउरमैंआएननवध्यव
नापादेपाइ ॥४५॥ विप्रजांनिकैंहनबु
हेमहानिसाचरमोहि ॥ जौनवचैफौरा
मुतौलाजआइहैतोहि ॥४६॥ दुष्टनि

९६ ग्र

युक्ति माचरहननकोंगंमलियोअवतार॥
॥४८॥ छिप्रबलपातकगद्योकरिमैरोउद्धार
॥४७॥कद्दाभयोभारथुकियोदानैंह
नैंहजार॥ भूमिभारतवउतरिहैका
रिहोमोउद्धार॥४८॥मनैकयेपसुपज्ञ
तुमहिंसारूपबिचारि॥बुद्धिदयाकी
बुद्धितैमोसदीनहिंतारि॥४९॥कल
कीकलिमलहरनकोंतुमलीनैंअ
वतार॥द्वैकैयोंभूल्योप्रभुतुमहिंक
लिमलकोंव्याधारु॥५०॥जाकेअ
वतारसबतातिहिसुधिकरौचित॥विं ह
तुवृंदाबनफिरैराधानागरिमित॥५१
यगपयोगतपघटैनहिंमिटैनैंउपजै
ज्ञान॥भवसंतापुसिरातुसोवंसीव
टकेध्यान॥५२॥जनमजनमजगअ्र ॥४८॥

97

मनकेश्रमहिंहरतिविसरांति॥जमु
नाकैजमकीवहिनिपातकंपुंजनु
षांति॥५३॥विनुजांनेगिरकरधरत
हरिहिकहतवलिवंड॥रामरोमजा
कैप्रगटसरसैंासमव्रह्मंड॥५४॥वृं
दावनकेसुमनएसुमननुतैंसरसा
हि॥एहरिकेसिरचढैंसुरपाइदरस
रसांहि॥५५॥वेदकहतमगमुकति
कौसुद्धसत्वकौज्ञान॥श्रदसुतमा
थुरामैंलष्योमुकतिस्यामकेध्यान
५६॥रसरहस्यमैंमैंकहेइनकेल
छिनभाव॥यातेंद्यावरनैंनहींइहां
केथ्योप्रस्ताव॥५७॥अथजातिस्वभा
भाव॥वेदीकोइलकुसुमकीगलमुं
जनकीमाल॥षितहरिद्रगपंजन

98

युक्ति॰ हरतिसुरिसुरिचितवनिज्ञाल॥५८॥षि
॥५९॥ नहारीजोवनछकीहरियाहरियाटरि
गोमिनमिसदिषराइउरुपथिकनरा
षतिघरि॥५९॥ननभयनवनकुसुम
केभालजीगनांमाल॥षेतपरीनिसि
न मेंलसतिवदेवीसीवाल॥६०॥कचत
मंमेंतारेकुसुममुषससिकुमुदवि
कास॥मिलतिषेतसंकेतमें [illegible]
दिनदीगैनिवि[illegible]लास॥६१॥उज्जा
लअंबरमेंलसतजुन्हाइवदनहिं
भांति॥प्रगटीछीरसमुद्रमेंजुसोहा
तिकसलाकांति॥६२॥अनलन्हाट
नियअम्हणासुषधुवांनिलैांछेनैन॥
करतरसोईछविदरतमानवतीकी
मैंन॥६३॥भांतिभांतिव्यंजनरचे ॥५८॥

सहजसुवासुवसाइ॥ मुसिकाहटकी
औपदेपरमतिड्रगफमाकाइ॥८४॥
कह्योवकुरियानैंकछूतवतेगईरि
माइ॥रोवतिसूनैंसदनमैंदेवरजाइ
मनाइ॥८५॥पियतपयोधरछोडिह
रिविहसततटकीलगाइ॥मातवदन
ससिदेषिमुषछविछीरधिउफनाइ
॥८६॥दौरिचलतघुटुरूनिकिलकि
फिरिदेषतमुसिकाइ॥फिरिफिरि
दौरतफिरिलषतमातगहेजिनिंभ्रा
इ॥८७॥ग्रावजोगीआयौवसनदुरा निरषि
वतिबाल॥दौरिगह्योहरिगोदचढि
भालचंदगोपाल॥८८॥कह्योमात
षिझिषालिमुकुमारोमांटीडारि॥
चकतभइपालेंवदनचौदहभौं

100

युक्ति ॥५०॥

ननिहारि ॥६४॥ कुहूसांझचढिअपु
नुतैंलषीघटाकीओर ॥ चौंकिचौ
किचौंकिचारयोदिसाचंचलभएच
कोर ॥७०॥ मालिनिवदनउघारिकैं
वेचतिकुमुदरसाल ॥ कमलवेचिवे
केसमैंमदतिअंचललाल ॥७१॥ अ
होषिफोमतिकदेपरकहिआवति
हेवात ॥ पीठिदेदीन्होंआपनीनवनि
षेमोगात ॥७२॥ मीतकहाएकुसुम
लेलयीमराहतिराग ॥ कहीगंगकू
तीमईवकूचवैडेतोभाग ॥७३॥ अमा
त ॥ सकलसिद्धिसुमीरतनरनुदू
कुदेतगणेस ॥ चपलअवनसेवैस
दाअलिनलहैमदलेस ॥७४॥ स्व
गजजीवनुलैप्रथमजीवनुडार ॥५०॥

तुमारि। कोजानैकरुसहैसगुनदैहौं
समैविचारि॥७५॥कमलकानितजि
तानकीतुमसौंकीनौंनेकु॥सूरिजा
तुमदिनवूझियैअवजलुसोषैलेकु
॥७६॥चितनकरिजडतादूरतुद्रगकोंक
ननवसदाउ॥तऊकहतरविकादिन
करजगकोयदैसुभाउ॥७७॥तिमिर
गमनफूलनकमलद्रोदानवकोंदाकु
कोजांनतुहौअजुदौसर हिमादिहै
राकु॥७८॥कुकुनिसापावसप्रवलदि
नदिनफूलसहैलउजास।अववैंजग।
हितभांनुसौंहुंरहिराहउदास॥७९
हरि॥जिनहिंसराहततप्पारुकैजांन
तसवगुनधांम॥हरितेभषफूनोंलहैं
संगतिलहैंहिनिकांम॥८०॥सवकेमर

मतमनोरथनिदरिसुषसंपतिरकु
गुनीतुम्हैंभावैंनहीगुनरहितनुमैं
नेकु॥८१॥चंद्र॥गनैंनसूरजमैंमदं
मनह्विचितवैउहिंओर॥चंदचषनी
चाहैनतऊचैगुनचाहचकोर॥८२
देजचंदुउजालकलाकलषिचंदनु
सबकोइ॥पूरणतामैंमलिनउरु
यातैंओगुनहोइ॥८३॥पूरन्योंबाद
रमैंदुकैतजिकुमदनुकीकांनि॥
चंदवकुरिजेसासमोहातसुजिय
मैंजांनि॥८४॥समुद्र॥रितिनागरि
पांनियभरेअतिगंभीरसुभाइ॥
सागरदयानछोडियेमगरनिमी
नषवाइ॥८५॥आपुआपुमेंरहैं
तऊसरसलगनिरूपापु॥ज

लघिदुहसममंग्रहेजांनैंपारोआ९
॥८६॥रतनलेतनिकसतनियतजलधि
नतज्योसुभाइ॥सुतहियमेंलषिक
लिमापुन्यौंछोनुलहाइ॥८७॥बडीब
डाईमेंजलधिउचितनहींयहवात
अपनेंजावककोंदियोनीकलेतनअ
घात॥८८॥प्रगटकियोषारोसलिल
रापरतनदुराइ॥पदीरहे॥निरासस
ववारिधिकोंनसुभाइ॥८९॥गोइर
तनतिमिअनलजलपरगटकीनें
तीनि॥वारिधिआयमरजियासरव
सुलेहैंछीनि॥९०॥मीननचाहेंरतन
तुवरहेसलिलकीआस॥नादूषा
रोकरिजलधिजसतेंभएउदास॥९१॥
॥मेघ॥अतिकचेरासुनिगरजिबो

104

युक्ति ॥पर॥

पथिकनुभयउरआनिजीवनुदैताप
नुहरनुयहवारिदजियजांनि ॥८२॥
जरतदेषितरवरनुकौंलषतनहीन
जिकांनि ॥ वरसतऊसरगिरिनगरआ
रनिवारिदहांनि ॥८३॥ पावसगरजैपा
जगसुषदआकजवासिनुमारि ॥ आ
बनिकांमघनचेतकोवनदुमसदना
तु विदारि ॥८४॥ गरजतेनिकैंसरदघन
मोरडरेअनघाड ॥ वादिवकजुवारि
दुनतेंजातेंप्पासबुझाइ ॥८५॥ सरोव
ड र ॥ ३जेहैंग्रीषमसमैंपहीन्यलिहि
नुनाषि ॥ सरवरजीवनसाथकेमींनु न
नीकैंराषि ॥८६॥ उमडिउमडिमेंपा
तिमैंसरवरजलहिनघाड ॥ पालिव
नीयानीरबिनुसबकोउचलैविगाड ॥पर॥

९७। सरसरूपु[illegible]षिणैं जिनिहंसव
गनुइकसार॥ बगइहिंगंहीहंसजसु
कहैपयोनिधिपार॥ ९८॥ संपतिमैंन्न[illegible]
रुविपतिहूंसरवरसहजसमांन॥ क
मलमीनजलभूमिहूंदेतनकौंविनां
न॥ ९९॥ जहांकमलजुतजलुनहीन
हिंन्यादरुवजराज॥ त्यवसरवरके।
कोंमकोहंसरहैवेकाज॥ १००॥ कृप॥
जवसवमीतलहोतहैंतवतुरततोसो
तु॥ कुटिलकृपपरजरतजगतुवैसी उर
तलहोतु॥ १०१॥ मुरतरु समताकल सर
है फलजोचाहैसोलेइ॥ कृपविवेकीदं
निहैगुनविनुनीरुनदेइ॥ १०२॥ सरवसु
देनिजुरूपतजिमिल्योछीरसौंनीर॥
ताहिविछोहतहंसजियत्योवृतिनां

106

सुक्ति
॥पत्र॥

हिनपीर॥३॥जलतुरलभगजराजन
हिसकेपरेपहार॥हंसनहोंचाहतु।
कियैमुकत्तनिकेआहार॥४॥मधु
रसलिलवकुवकमलत्योंवहपारोति
मिवास॥॥हंसछोडिकेंमानसरजा
नुपयोनिधिपास॥५॥कोक॥कोकि।
लस्योंविरहीसवैंकेंपोषावतिगुनऐंन
ज्यौंजैंमीचिवचनआतित्यौंत्यौंमीवैने
न॥६॥कसिनमौंनलपिचेनघनबोलिम
धुरसबसाज॥कोकिलयहपावसन
हीयहआयौरितुराज॥७॥वहनहो
इयहबनसफलसिषस्तुनिलैपिक
बाल॥छौंकरिविरिबंबूरपैं।चाहतमू
ढरसाल॥८॥फलनिषबावतत्रसू
तसमस्वरूसिषवत्तसुभनांउं॥नतु

107

कीरचाहतुयहैकेकूंछलभजिजाउं।
ए॥औरतुकौंदेषतुमहैरहैमदननत
नसोइ॥जान्यौंमोमान्यौंसुतुमसिषी
सुरतमैराइ॥१०॥चातक॥चातकनै
भूलैकियोस्वांतिमहमौंनेह॥यहैक
हावतुसरदघनजलुनगरजसुनिले
ह॥११॥सरसमसितासागरकियपावस
जलदसुभाइ॥भागुलषीचातकनि
कौंतऊनप्यासबुझाइ॥१२॥सिंह॥क
तवलकतुलषिछीनतागजतामस
उरआनि॥जिनतोरेहैदंततुरववहै

ह सिंहतुयंजानि॥१३॥तैंवनगाहतगज
सहैंसमारकुंभविदारि॥हंससुतूंक
रनीगरजतमकिनसमौंविचारि॥१४॥
करिवनहनिसहैंनेकियजिनदिगाज

108

सुक्ति ॥५४॥

समवेसमत्तासिंहहिराष्योवहैमूरिष
वांधिसेरस॥५॥गज॥तनुपहारवलु
पारुनहिंसवत्तेसरसम्रहारु॥जित्त
नित्तकाढतुदांतुकौगजनिजवल
हिंसैभारु॥६॥नीचीदीविहिमूमिवो
अतिचंचलताकांन॥जितेजितेमि
लछाखगहिस्तनौदीअज्ञान॥७॥छा
रमस्योकाटैदसनुवारिनुमांफिविचा
रि॥अपनोरूपविचारिगजतूपदमि
निनविगारि॥८॥मरसुनजोंनेमीन
वकरातिदिनांवसिपास॥करीकम
लिनीसौंपग्योतजिकदलीवनवास
॥९॥घोरा॥सांईहित्तजेनसांकरैतेज
वंतसुषराह॥हयइहिगुनतामैंकर
तअतिसनेहनरनाह॥१०॥ऊंट॥ ५४

109

वषकुरूपवोलनतवुरैंउत्तमगनतीनां। हि
भारसहनगुनउटकेसवैदोषकुरि
जांहि॥२१॥धवल॥नहिंकरदलुनहिं
महिषनतुसीमनुडारतुछार॥धव
लनरूणत्तादेषियतिभारूषवतीवा
र॥२२॥तरू॥मूलछालदलफूलफ
लनेतनरोसहिआनि महिसवके
अपराधतरुजनमुचौहटैंजांनि २३
कलपतरू॥दनिवडौजगुदुषहरनुदे
सुषमांगीवात॥यहेहीनताकल्पत
रूनहिविवेककीघात॥२४॥एमांग
तमनमांगिकेंकल्पवृछजियजांनि
तुमपैंगुनीलषैनहींहोसवहीकों।
दांनि॥२५॥चंदन॥परमूतसमतासं
गजितनरूकलुदेषैचाहि॥मधुपनि

110

सुक्ति॥५५॥

केमनहरनकौंचंदनतोसमनाहि॥
२६॥सज्जनतुमतैंदूरिजिनिराषेदुष्ट
समांन॥चंदनतिनकूंदेतसुषवांछा
हेकीलाज॥२७॥काटततपीसतजरत
कूंहरतजगतकोताप॥चंदनफूल
तफलतनहिंसुधांकहेंकिहिपाप
॥२८॥सीतलवक्तुसुगंधपैजगुन
लषेउदहिंश्रोर॥चंदनवैहैहेकामसु
केसुनतमारकीघोर॥२९॥चंदनना
गहितसमुझिजिनिश्रोगनहिंडराइ
लषतभीलगजवरनिकेपरिनमकैं
डतपाइ॥३०॥चंदनअलिमेयोसमु
झिसमैंजागिहैभाग॥कोजानतुसं
पतिवढैंश्रौनिघरिहैनाग॥३१॥चं
दनतुतोसोतुहीहेजगतवडोजसले ॥५५॥

इ॥ सांपतेजतोपरततजैंतसीतलतादेइ॥
३२ अगरा॥ प्रगटीरीतियहैअगरसर्व
जगुराषैगोइ॥ घलदलदैंज्यौंज्यौंज
रैत्यौंत्यौंजगसुषहोइ॥३३॥ दलबिन
डारकरीलएजैसैंजगकेकाम॥ त्यौंही
जरितनअगरअवसबैकियअभिरा
म॥३४॥ आंब॥ फलषटरसनुभरेनि
कटभ्रमतरहतअलिजाल॥ संपति
मेंबौरातअतिऔगुनयहैरसाल॥
॥३५॥ देषतभलौसुवासुबकुबिजसे
वतचकुऔर॥ ज्यौंरसालसुषमधुर।
तात्यौंत्यौंहियेकठोर॥३६॥ हिमगि
रिफलफूलनुफल्यौमाखबकुता
विसाल॥३७॥ छीरनीरसीऔवकुत
पोष्यौविविधिवनाइ॥ बागवांनत्यौं
आंवकौंपासलेपासवचाइ॥३८॥

कोकिलकेकिहिकामकोजहांनहो
इ रसालो ॥

112

युक्ति
५६

कटहर॥ पथिकचाषिमोरसमधुरजा
सुकहिहैंसुषमांनि॥ कटहरफलकं
टकनएहस्यरोमएजांनि॥ ३९॥ क
दली॥ जगुपोष्योजिनफलनिसौंवकु
रिनतिनकीआस॥ इहिंसुषकदली
तनुनजितिकांपतिलेतिउसास॥ ४०॥
सिवसरूपफलदलभयौपथिकनु
सुषदबिसाल॥ वरुफूल्यौंनहियैंक
छूंयहपछितुउरसाल॥ ४१॥ फलबि
नफूंफूलेरहैंतेकैसेवनराइ॥ फलु
पावैफूलैनहींवरूयहकौंनसुभाइ॥
४२॥ नींबु॥ मूलत्वचादलफूलफल
नीबुकैजगुकाम॥ न्याइहोइकरू
वोकहैंसैवैरसौंअभिरांम॥ ४३॥ अ
तिसुगंधअरुफलमधुरव्याधिनु
डारतषोइ॥ नीबुकलपतरूतैंसरस ५६

जौकरवौनहिंहोइ ॥४४॥ अनार ॥ पाव
समैउरफारिकैंदेतसनकौंनिजुसार।
तैंतियकुचउपमांलहीयाहीपुन्यअ
नार ॥४५॥ ताल ॥ छांहफूलफलफा।
लदलनितहूऔरकैंजेकांम ॥ तूउँ
चौकिहिगुनभयौरेसगतालनिकांम
॥४६॥ फलदुरलभअतिकविनअरू
मतकरतनिरजास ॥ तालसालसवत
रुनुकौपथिकनसेवतपास ॥४७॥ प
लास ॥ अतिहलुकौसवतरुनिमैंफू
लभएँमुषस्यांम ॥ जौसकोचुदलदेत ग
फूलपलासकिहिंकांम ॥४८॥ आमद
नीमैंदलदैरवकुरिकियौमुषस्यांम
तउपलासवसंतकीछविहिकरतअ
भिरांम ॥४९॥ होइनुसमुषिगुलाब

नैहूंलषौनसंतहूंह्वांपरागकोवास १

114

युक्ति॰ ५७

सौअलिपलासह्वीघास ॥५०॥ कपास
कह्वाभयोनहिंमधुरफलनहिंसुगंध
केसाज ॥ ऊजललह्यियेंकपासफलरा
षतजगकीलाज ॥५१॥ कमल ॥ वकुप
रागअलिफिरागअतिसुंदरताकीलि
ककमलफलिलैइहिसमैंहिमरितुबो
हैरिनजीक ॥५२॥ लहिपरागगुंजेंसुज
सुमधुपसुतौयहन्याइ ॥ कवलपत्र
नुडुरलभसषाजगसुकहेसुभाइ ॥
॥५३॥ स्वहसरोवरतैंजनमुअतिसुगं
धअभिरांम ॥ कमलप्रीतिनहिंहंस
सौंतौसबुकौनहिंकांम ॥५४॥ जाती ॥
वनवेलीफूलीलषेंकरैंगौसुविनुका
ज ॥ जातिसहैनहिंपरभलौन्याइतजी
रितुराज ॥५५॥ आक ॥ जैपांदातासौं ॥५७॥

115

मानुकरिसनुमहिंसिवतुजाइ॥ आकपु
लसिवसिरधस्यौकेत्तकीपरविस्तुइ।
पद॥ कानकसिवसिरफूंवसिकनक।
तंत्तजतुनकपटस्तुमाइ॥ करतुवावेर
नरनुकौंस्तुवरनुजगुदिषराइ॥ ५७॥
पवन॥ मगहीमैंनहिजातिलघुप्रानद
रैङगपूरि॥ पवनपथिकडुषदबनहरि
पाइनुतरकीधूरि॥ प८॥ नरपसुपक्षिन
कौंसुषदेताफूवरतसुगंध॥ पवनअ
नलसौंमिलिव[illegible]नहिंजारतुकिहिंपु
नअंध॥ प९॥ विष॥ दया[illegible]हिंसाबुरी मली
यहैकहैसवुकोइ॥ जौविषहनेंनदया
करितौजगुआघनहोइ॥ ६०॥ दूधुपि
ताभेयाअमृतसिवकेकंठनिवास॥
विषसवजगकौंमारिवौयहसीषका

116

युक्ति पास ॥ ६१ ॥ अमृत ॥ सोंनरु आतुर विर
॥५८॥ हु करि छांडो चाहतु प्रांन ॥ अमृत त
हां वनषां नितं अपनो जीवनु ज्ञान
॥ ६२ ॥ याविधि मौं कहियेकहा अवि
वेकिनु सिरमौर ॥ जिन विषकौ आरु
अमृतकौं जनमु कियो इक ठौर ॥ ६३
जुगनू ॥ उउगन वपुरविससिकिरनि
दीपक वदन उजास ॥ त्यौं जुगनूं चाह
तभयो तेज अपान विकास ॥ ६४ ॥ दी
प ॥ सरगवन की नौं अनतमे घर च्यो
व्रजराज ॥ दीप वडे जि निठौर है कौ करौ ।
जगतके काज ॥ ६५ ॥ अरुण रूप अरु
नेहजुत तिमिर हरतु अभिराम ॥ दी
पकफूल फरै महत । कैधौ का रौपरिन जी
म ॥ ६६ ॥ वासर भौं विकास रविकौंन । ॥५७॥